Aham Satta 25.10.24 to 31.10..24_aham satta 25-10-2024 11:46 Page 1

गाजियाबाद से प्रकाशित

अहम सत्ता

(हिंदी साप्ताहिक समाचार पत्र)

►www.ahamsatta.com◄ ►RNI NO:UPHIN/2021/86326◄

वर्ष : 03 अंक : 35 | शुक्रवार 25 से 31 अक्टूबर 2024,गाजियाबाद | ►E-Mail: ahamsatta@gmail.com◄ | पेज: 6 मूल्य : 2 रुपया

वि.स. उप चुनाव : गाजियाबाद प्रशासन तैयार, नामांकन के साथ सभी दलों के प्रत्याशियों ने फूंका चुनावी बिगुल

अहम सत्ता

गाजियाबाद में आगामी उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपने-अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने महानगर अध्यक्ष संजीव शर्मा को अपना उम्मीदवार बनाया है, जबकि बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने पी एन गर्ग को मैदान में उतारा है। ए आई एम आई एम से रवि गौतम चुनाव लड़ेंगे, जबकि समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने मिलकर सिंह राज जाटव को अपना प्रत्याशी घोषित किया है।

मतदाता आंकड़े

गाजियाबाद शहर सीट पर कुल 461,360 मतदाता हैं, जिनमें पुरुष मतदाता 254,017 और महिला मतदाता 207,314 हैं। 18 से 19 वर्ष की आयु के मतदाता 5,449 हैं, जबकि 85 वर्ष से अधिक के मतदाताओं की संख्या 1,324 है। दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 2,388 है। इन आंकड़ों के आधार पर सभी पार्टियों ने अपने चुनावी रणनीति को तैयार किया है।

प्रत्याशियों की प्रतिक्रियाएं

भाजपा के प्रत्याशी संजीव शर्मा ने कहा, मैं 2019 से लगातार महानगर अध्यक्ष हूं और क्षेत्र की समस्याओं को अच्छी तरह समझता हूं। मेरी प्राथमिकता विकास और जनता की समस्याओं का समाधान करना होगा।

समाजवादी पार्टी से प्रत्याशी सिंह राज जाटव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, जब-जब सपा और कांग्रेस ने गाजियाबाद पर शासन किया है, तब-तब विकास हुआ है। भाजपा के आने के बाद कोई ठोस विकास नजर नहीं आता।

वहीं, बसपा के प्रत्याशी पी एन गर्ग ने कहा, गाजियाबाद में विकास का असली चेहरा मायावती के शासन में देखने को मिला। हमारी पार्टी हमेशा विकास के बल पर चुनावी मैदान में उतरती है।

ए आई एम आई एम के प्रत्याशी रवि गौतम ने कहा, इस बार की चुनावी स्थिति में हमारी जीत निश्चित है। जनता को भाजपा के झूठे वादों से थकान हो चुकी है।

आसपा प्रत्याशी सत्यपाल चौधरी ने गाजियाबाद उपचुनाव में जीत का दावा करते हुए भाजपा पर विकास कार्यों में विफलता का आरोप लगाया। उन्होंने विजयनगर की समस्याओं के समाधान और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने का वादा किया, इसे हर वोटर की जीत बताया।

चुनावी माहौल

गाजियाबाद में उपचुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। हर पार्टी अपने-अपने स्तर पर प्रचार-प्रसार और जनसंपर्क में जुटी हुई है। इस बार के चुनाव में यह देखना दिलचस्प होगा कि मतदाता किन मुद्दों को ध्यान में रखकर अपने वोट का प्रयोग करते हैं। सभी पार्टियों ने अपने अपने दावों के साथ चुनावी रण में उतरने का मन बना लिया है। अब यह देखने वाली बात होगी कि गाजियाबाद शहर का अगला विधायक कौन बनेगा और किसके नेतृत्व में क्षेत्र का विकास संभव होगा। चुनावी नतीजे आने के बाद ही साफ होगा कि कौन सी पार्टी जनता के विश्वास पर खरा उतरती है।

मासूम की हत्या का सनसनीखेज खुलासा

मां से संबंधों के चलते पड़ोसी ने दी वारदात को अंजाम

अहम सत्ता

गाजियाबाद के थाना नंदग्राम क्षेत्र के सिटी फॉरेस्ट के पास 8 वर्षीय बच्चे का शव मिलने के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस जांच में पाया गया कि इस नृशंस हत्या को अंजाम देने वाला कोई और नहीं बल्कि बच्चे का ही पड़ोसी था, जो बच्चे की मां के साथ अपने रिश्तों को लेकर आक्रोशित था। आरोपी की पहचान महेश गुप्ता के रूप में हुई है, जो कन्फेक्शनरी की दुकान चलाता है।

डीसीपी सिटी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार को सिटी फॉरेस्ट पार्क के पास बच्चे का शव मिलने पर इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान भट्टा नंबर 5 के पास रहने वाले 8 साल के आकाश के रूप में हुई। आकाश की मां ने बताया कि वह मंगलवार शाम को साइकिल लेकर निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। जांच में सीसीटीवी फुटेज और सर्विलेंस का सहारा लिया गया पुलिस ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए सीसीटीवी फुटेज और सर्विलेंस का सहारा लिया। फुटेज में महेश गुप्ता को बच्चे के पीछे जाते हुए देखा गया। पुलिस ने आगे की जांच में पाया कि महेश और आकाश की मां के बीच काफी समय से संबंध थे। महेश कई बार आकाश से उसकी मां से बात करवाने का दबाव डालता था, लेकिन आकाश ने मना कर दिया। इसी बात से नाराज होकर महेश ने बच्चे की हत्या का षड्यंत्र रचा।

गिरफ्तारी के दौरान पुलिस पर फायरिंग

जब पुलिस आरोपी महेश को गिरफ्तार करने पहुंची, तो उसने भागने की कोशिश में पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में महेश को गोली मारकर घायल कर दिया और उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

डीसीपी राजेश कुमार में ने बताया कि

पुलिस के अनुसार, महेश ने आकाश को अपनी दुकान में बुलाया, उसे कोल्डड्रिंक पिलाई, और फिर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसने रस्सी से बच्चे का गला घोंटा और शव को सिटी फॉरेस्ट के पास फेंक दिया, ताकि यह हत्या एक हादसे जैसी प्रतीत हो। महेश गुप्ता के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और पुलिस हर संभावित पहलू की जांच कर रही है। इस हृदयविदारक घटना ने इलाके में सनसनी फैला दी है, और पुलिस जल्द से जल्द पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मायावती का योगदान- मुस्लिम और दलित समाज के उत्थान की दिशा में

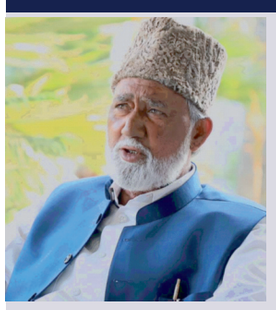

अहम सत्ता

डॉ मुजाहिद हुसैन उर्फ बाबू भाई चेयरमैन पति नगर पंचायत डासना व लोकसभा प्रत्याशी अमरोहा बसपा) ने बताया कि उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री कुंवारी मायावती ने मुस्लिम और दलित समाज के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं और कार्यक्रम लागू किए हैं, जो इन समुदायों के उत्थान में सहायक सिद्ध हुए हैं। उनके कार्यकाल में विशेष रूप से शिक्षा, आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में कई पहल की गईं, जो पहले के शासन में देखने को नहीं मिलीं। मायावती ने शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं के लिए स्कॉलरशिप योजनाओं की शुरूआत की, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे उच्च शिक्षा हासिल कर सके। उनकी सरकार ने मुस्लिम छात्रों के लिए विशेष स्कॉलरशिप योजनाएं लागू कीं, जिससे उन्हें न केवल वित्तीय सहायता मिली, बल्कि उन्हें शिक्षा की ओर प्रोत्साहित भी किया गया। इस योजना के तहत, छात्रों को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुसार मदद प्रदान की गई, जिससे उन्होंने उच्च शिक्षा प्राप्त की। इसके अलावा, मायावती ने मदरसों में शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने के लिए भी कई कदम उठाए। उन्होंने मदरसों को सरकारी अनुदान देने की व्यवस्था की, जिससे इन संस्थानों में बुनियादी ढांचे का विकास हुआ और छात्रों को बेहतर सुविधाएं मिल सकीं। इसके माध्यम से मुस्लिम समुदाय के बच्चों को आधुनिक शिक्षा का लाभ मिला, जो उनके सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए आवश्यक है।

अधिकारी रखें ध्यान, छठ पर्व पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े: अपर जिलाधिकारी नगर

अपने-अपने दायित्वों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निवर्हन करें, लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी: अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह

अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह ने श्रद्धालुओं से अपील की कि कोई भी नया छठ घाट ना बनाया जाये

अहम सत्ता

गाजियाबाद। महात्मा गांधी सभागार में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन पर अपर जिलाधिकारी नगर गम्भीर सिंह की अध्यक्षता में छठ पर्व की तैयारियों को लेकर बैठक आहूत हुई। बैठक के दौरान बताया गया कि छठ पर्व हिण्डन नदी के दोनों तटों पर नन्दग्राम, दीनदयालपुरी, करहेड़ा, साहिबाबाद, शालीमार गार्डन, राजेन्द्रनगर, वृंदावन गार्डन, झन्डापुर, वसुंधरा, शिप्रा सन सिटी (स्वीमिंग पूल) पंचशील, वैशाली, इन्दिरापुरम, खोड़ा, मकनपुर, आदि छठ पूजा स्थलों एवं घाटों पर मनाया जाता है जिसमें लाखों व्रतधारी श्रद्धालु महापर्व के अवसर पर पूजा स्थलों / घाट पर शामिल होते हैं। इस वर्ष दिनांक 07-11-2024 को सायंकालीन अर्घ्य तथा दिनांक 08-11-2024 को प्रातःकालीन अर्घ्य के साथ पर्व का समापन होगा। जिसके अन्तर्गत हिण्डन नदी पर बने छठ घाटों पर आवश्यक व्यवस्था करनी अनिवार्य है।

अपर जिलाधिकारी गम्भीर सिंह ने जल आपूर्ति सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के लिये पीने के पानी के लिये पर्याप्त शुद्ध पेय जल टैंकरों की व्यवस्था, अर्घ्य देने के लिये शुद्ध गंगाजल के टेंकरों की व्यवस्था, हिण्डन नदी के 900 मीटर की दूरी तक पाईप द्वारा पानी की आपूर्ति की व्यवस्था की जाए। उन्होने नगर निगम एवं नगर पालिका द्वारा टीम लगाते हुए प्रत्येक घाट पर साफ-सफाई एवं मरम्मत, चूना, फागिंग, ब्लीचिंग पाउडर, एंटी लार्वा एवं मच्छर की दवाओं को छिड़काव आदि की व्यवस्था। कूड़ा-कचरा उठाने की व्यवस्था। डस्टबीन आदि की व्यवस्था। महिलाओं हेतु घोटों पर पर्याप्त चेंजिंग रूम तथा अस्थायी टेंट की व्यवस्था। श्रद्धालुओं हेतु पर्याप्त मोबाइल टॉयलेट (महिला एवं पुरुष हेतु अलग-अलग) की व्यवस्था। हिण्डन नदी पर बने प्रत्येक घाटों की बैरीकेटिंग, ग्रीन कवरिंग के साथ करायी जाये। घाटों पर पर्याप्त पब्लिक एड्रेस सिस्टम की व्यवस्था आदि व्यवस्था करने हेतु निर्देशित किया। उन्होने विद्युत व्यवस्था एवं प्रकाश व्यवस्था हेतु प्रत्येक घाट पर एवं रास्तों पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था, हिण्डन नदी के सम्पूर्ण 900 मीटर की दूरी तक ट्रिपल लेयर में बल्बों द्वारा प्रकाश की व्यवस्था। विद्युत विभाग द्वारा निर्वाध विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था। अपरिहार्य स्थित्ति हेतु पर्याप्त जनरेटर आदि की व्यवस्था हेतु निर्देशित किया।

उन्होने अग्निशमन विभाग को विभाग द्वारा पर्याप्त फायर टेंडर की व्यवस्था। हिण्डन नदी एवं घाटों पर अग्निशमन की गाडियां एवं अन्य व्यवस्था हेतु निर्देशित किया। उन्होने चिकित्सा विभाग को पर्याप्त एम्बूलेंस मय चिकित्सक 24७7 तैनाती। चिकित्सकों एवं औषधियों की व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं हेतु निर्देशित किया। उन्होने लोकल गीताखोर एवं नाव की एस०डी०आर०एफ० एवं एन०डी०आर०एफ० से समन्वय कर व्यवस्थाओं को पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। अपर जिलाधिकारी नगर ने एन०डी०आर०एफ० जवानों / पुलिस बल की तैनाती व यातायात व्यवस्था हेतु अतिरिक्त पुलिस बल तथा नागरिक सुरक्षा के वार्डनों की तैनाती व्यवस्था। चिन्हित मार्गों एवं घाटों पर सी०सी०टी०वी० की व्यवस्था। कन्ट्रोल रूम एवं अन्य 02 रूम की व्यवस्था। मोहननगर की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनो हेतु हज हाउस में मेरठ तिराह की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों हेतु मोक्ष धाम में एवं कनावनी की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों हेतु हिण्डन रेलवे पुल से पहले स्थित पार्किंग तथा अर्थला की ओर से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों हेतु इंदिरा प्रियदर्शनी पर पार्किंग व्यवस्था। पर्व के दौरान रूट डायवर्जन व्यवस्था। पर्व के दौरान हिण्डन नदी की ऑपोजिट एक अन्य स्थान पर व्यवस्था। हिण्डन नदी की साफ-सफाई एवं गंगाजल को छुडवाने की व्यवस्था (सिचाई विभाग द्वारा किया जाना।) प्रत्येक घाट पर सीढ़ियों का निर्माण एवं मरम्मत। (नगर निगम / नगर पालिका द्वारा) छठ घाटों का निर्माण एवं मरम्मत। (नगर निगम / नगर पालिका द्वारा) घाटों एवं रास्तों की मरम्मत। छठ घाट एवं बैठने वाले स्थानों की मरम्मत आदि की व्यस्था। आवारा पशुओं/कुत्तों को पकडने वाले दस्तों की व्यवस्था। श्रद्धालुओं हेतु अतिरिक्त बसों की व्यवस्था (ए०आर०एम० रोडवेज द्वारा) छठ घाटों के आस-पास विषैले जीव-जन्तुओं से बचाव आदि की व्यवस्था (जिला वन अधिकारी) द्वारा छठ पर्व से पूर्व ही सभी तैयारियों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया। अपर जिलाधिकारी नगर श्री गम्भीर सिंह ने कहा कि छठ पर्व पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना ना करना पड़े, इस पर विशेष ध्यान दिया जायें। सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों को पूर्ण जिम्मेदारी के साथ निवर्हन करते हुए कार्य करें। विभागों द्वारा किसी भी कार्य में कोई लापरवाही ना बरती जाये। उन्होने कहा कि किसी भी व्यक्ति द्वारा नया छठ घाट ना बनाया जायें। उन्होने सभी श्रद्धालुओं से अपील की कि कोई भी नया छठ घाट ना बनाया जाये। बैठक में अपर नगर आयुक्त अरूण कुमार यादव सहित सम्बांधित विभागों के अधिकारी/प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

Aham Satta 25.10.24 to 31.10..24_aham satta 25-10-2024 11:47 Page 2

दीपावली, भैया दूज व गोवर्धन की हार्दिक शुभकामनाएं

भाई दूज का स्नेह रिश्तों की अनमोल धरोहर

अभिषेक जैन (महासचिव गाजियाबाद पेट्रोलियम डीलर्स एसोसिएशन) ने बताया कि भाई दूज का पर्व हमारे समाज में भाई-बहन के रिश्तों की मिठास और गहराई को दशार्ता है। यह पर्व भाई-बहन के बीच स्नेह और विश्वास को मजबूती देता है। अभिषेक जैन का कहना है कि इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं, वहीं भाई भी उनकी रक्षा का संकल्प लेते हैं। यह त्योहार हमें पारिवारिक रिश्तों की अहमियत और उनके प्रति हमारे दायित्व की याद दिलाता है। भाई दूज सिर्फ तिलक और उपहार तक सीमित नहीं, बल्कि यह हमारे रिश्तों में नई ऊर्जा भरने का पर्व है।

गोवर्धन पूजा-प्रकृति और धर्म का संगम

पंडित प्रदीप शर्मा (प्रदेश प्रभारी अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा रा., भाजपा नेता व पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी) ने बताया कि गोवर्धन पूजा हिंदू धर्म में प्रकृति के प्रति आभार और उसकी पूजा का प्रतीक है। पंडित प्रदीप शर्मा का कहना है कि भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्र देव के क्रोध से गोकुलवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत उठाया था। इस दिन हम गोवर्धन पर्वत की पूजा कर भगवान कृष्ण की लीलाओं को याद करते हैं। इसके अलावा, यह पूजा हमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक होने का संदेश देती है। हमें अपनी धरती की रक्षा और उसे संरक्षित करने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

दीपावली: मिठास और समृद्धि का पर्व

अनुज सिंघल (सिंघल स्वीट्स , गोविंदपुरम, गाजियाबाद) ने बताया कि दीपावली का पर्व केवल रोशनी का नहीं, बल्कि हमारे जीवन में मिठास और समृद्धि लाने का भी प्रतीक है। अनुज सिंघल का कहना है कि दीपावली पर हम अपने घरों में मिठाइयां बनाते और बांटते हैं, जो रिश्तों में मिठास घोलती है। इसके साथ ही, दीपावली पर लक्ष्मी पूजन कर हम धन, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हैं। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि जीवन में सच्चाई और अच्छाई के मार्ग पर चलने से ही असली सुख और समृद्धि प्राप्त होती है।

भाई दूज-विश्वास और सुरक्षा का पर्व

प्रेम चंद गुप्ता (चेयरमैन, दुर्गा वाशिंग पाउडर) ने बताया कि भाई दूज भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है। प्रेम चंद गुप्ता का कहना है कि इस दिन बहनें अपने भाइयों की लंबी उम्र की कामना करती हैं और भाई उनकी सुरक्षा का वचन देते हैं। यह पर्व पारिवारिक बंधनों को और गहरा करता है और एक दूसरे के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करता है। भाई दूज रिश्तों में स्नेह, विश्वास और सम्मान का अद्भुत त्योहार है, जो हमें एक-दूसरे के प्रति हमारे कर्तव्यों की याद दिलाता है।

गोवर्धन पूजा-समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक

राकेश काका जी ने बताया कि गोवर्धन पूजा भगवान श्रीकृष्ण द्वारा इंद्र देव के क्रोध से गोकुलवासियों को बचाने की कहानी से जुड़ी है। राकेश काका जी का मानना है कि यह पर्व हमें प्रकृति की सुरक्षा और संरक्षण की याद दिलाता है। हम गोवर्धन की पूजा करके प्राकृतिक संसाधनों की महत्ता को समझते हैं और अपने जीवन में उनकी अहमियत को स्वीकार करते हैं। गोवर्धन पूजा हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा है, जो पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी को याद दिलाती है।

दीपावली: रोशनी और समृद्धि का पर्व

अजेंद्र चौधरी ने बताया कि दीपावली का पर्व अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। अजेंद्र चौधरी का कहना है कि इस दिन भगवान राम के अयोध्या लौटने की खुशी में दीप जलाए गए थे। इस त्योहार पर हम अपने घरों और दिलों को रोशनी से भरते हैं, जिससे जीवन में सकारात्मकता आती है। दीपावली लक्ष्मी पूजन के साथ-साथ, रिश्तों में मिठास लाने और समाज में भाईचारे का संदेश फैलाने का पर्व है।

भाई दूज: रिश्तों में स्नेह और विंश्वास

नरेंद्र प्रताप सिंह प्रधान (ग्राम प्रधान, बिसाहड़ा) ने बताया कि नरेंद्र प्रताप सिंह प्रधान का कहना है कि भाई दूज भाई-बहन के बीच के स्नेह और विश्वास को और गहरा करने का पर्व है। इस दिन बहनें भाइयों के तिलक करती हैं और उनके सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। यह त्योहार पारिवारिक बंधनों को मजबूत करता है और हमें एक-दूसरे की सुरक्षा और सम्मान की जिम्मेदारी को निभाने की याद दिलाता है।

दीपावली: प्रकाश, समर्पण और भाई-बहन के रिश्ते का उत्सव

संजीव गुप्ता, अध्यक्ष समर्पूल, दीपावली के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि यह पर्व न केवल रोशनी और उल्लास का प्रतीक है, बल्कि यह हमें जीवन में सच्चाई, समर्पण, और सौहार्द को बढ़ावा देने का संदेश भी देता है। दीपावली पर घरों में दीप जलाने का अर्थ है हमारे दिलों में भी प्रेम, करुणा और सकारात्मकता का दीप जलाना। उन्होंने कहा कि दीपावली का हर दीया अंधकार पर प्रकाश की जीत का प्रतीक है और हमें अपने समाज को भी अज्ञानता और नफरत के अंधकार से निकालकर विकास और प्रेम के पथ पर ले जाना चाहिए। गोवर्धन पूजा के दिन भगवान कृष्ण की उस महान लीला की याद दिलाई जाती है, जब उन्होंने गोवर्धन पर्वत उठाकर गांववासियों की रक्षा की थी। यह हमें सिखाता है कि समाज के नेतृत्वकताओं का कर्तव्य है कि वे अपने समाज को कठिनाइयों से बचाने के लिए सदैव तत्पर रहें। भैया दूज भाई-बहन के अटूट बंधन का त्योहार है। यह पर्व हमें परिवार के महत्व और आपसी प्रेम की याद दिलाता है। संजीव गुप्ता ने इस अवसर पर सभी से आग्रह किया कि वे अपने परिवार और समाज में आपसी सद्भाव और प्रेम को बढ़ावा दें और एकजुट होकर समाज के कल्याण में योगदान दें।

दीपावली: स्वास्थ्य और समृद्धि का प्रतीक

डॉ. बीपी त्यागी (चेयरमैन हर्ष हॉस्पिटल, आर डी सी राजनगर गाजियाबाद) डॉ. बीपी त्यागी का मानना है कि दीपावली हमें अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने का संदेश देती है। यह न केवल आर्थिक समृद्धि का पर्व है, बल्कि मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का भी प्रतीक है। इस अवसर पर हमें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और संतुलित आहार लेने का संकल्प लेना चाहिए। गोवर्धन पूजा में प्रकृति के प्रति सम्मान और कर्तव्यों की याद दिलाई जाती है। साथ ही, भैया दूज भाई-बहन के रिश्ते में प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। इस पर्व पर भाई-बहन एक-दूसरे की लंबी उम्र और सुख की कामना करते हैं। दीपावली, गोवर्धन पूजा और भैया दूज मिलकर हमें पारिवारिक और सामाजिक जिम्मेदारियों का एहसास कराते हैं।

दीपावली: नई शुरूआत का पर्व

राजा भईय्या (चेयरमैन, राजा कार बाजार) राजा भईय्या कहते हैं कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का प्रतीक है। यह पर्व हमें न केवल अपने घरों को रोशनी से सजाने का अवसर देता है, बल्कि हमारे जीवन में नई शुरूआत करने का भी मौका है। गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण द्वारा प्रकृति और पशुधन की रक्षा की शिक्षा देती है, जो आज के समय में भी अत्यंत प्रासंगिक है। भैया दूज भाई-बहन के अटूट बंधन का प्रतीक है, जो परिवार में प्रेम और सुरक्षा को बढ़ावा देता है। दीपावली पर हमें अपने रिश्तों को और मजबूत करना चाहिए और समाज में एकता और भाईचारे का संदेश फैलाना चाहिए।

दीपावली: समाज और परिवार को जोड़ने वाला पर्व

सचिन मुखिया का कहना है कि दीपावली न केवल व्यक्तिगत खुशियों का पर्व है, बल्कि यह पूरे समाज को एकजुट करने का अवसर है। दीप जलाकर हम अपने जीवन से नकारात्मकता को दूर करते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का स्वागत करते हैं। गोवर्धन पूजा में भगवान कृष्ण द्वारा हमें सिखाया गया कि जब हम एकजुट होते हैं, तो किसी भी चुनौती का सामना कर सकते हैं। भैया दूज भाई-बहन के प्यार और समर्पण का पर्व है, जो हमारे परिवार को और भी मजबूत बनाता है। इस दीपावली पर हमें परिवार और समाज के बीच के रिश्तों को और भी मजबूती से संजोना चाहिए।

दीपावली: ग्रामीण विकास और खुशहाली का पर्व

राकेश प्रमुख (वरिष्ठ रालोद नेता) का मानना है कि दीपावली हमारे समाज और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आती है। इस पर्व पर हम न केवल अपने घरों को सजाते हैं, बल्कि अपने दिलों को भी सकारात्मकता और आशा से भरते हैं। गोवर्धन पूजा भगवान कृष्ण की उस शिक्षा का प्रतीक है जिसमें उन्होंने लोगों को प्रकृति और पशुधन के महत्व को समझाया। भैया दूज भाई-बहन के अटूट रिश्ते का पर्व है, जो परिवार के भीतर स्नेह और देखभाल को बढ़ावा देता है। दीपावली पर हमें समाज में एकजुटता और प्रेम की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ ग्रामीण विकास के लिए भी काम करना चाहिए, जिससे सभी क्षेत्रों में खुशहाली और समृद्धि आ सके।

दिवाली, भैया दूज और गोवर्धन: भाईचारे और समर्पण का पर्व

संतोष गुप्ता (डायरेक्टर वी केयर ब्रॉडकास्टिंग प्राइवेट लिमिटेड) ने बताया कि दिवाली, भारत का सबसे प्रिय त्योहार है, जो हर साल कार्तिक माह की अमावस्या को मनाया जाता है। यह अंधकार से प्रकाश की ओर जाने का प्रतीक है। लोग दीप जलाते हैं, रंगोली बनाते हैं और मिठाइयों का आदान-प्रदान करते हैं। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है, ताकि समृद्धि और खुशहाली बनी रहे। भाई दूज, दिवाली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला त्योहार है, जो भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत बनाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की लंबी उम्र और समृद्धि के लिए पूजा करती हैं, जबकि भाई अपनी बहनों को उपहार देकर उनके प्रति प्रेम प्रकट करते हैं। यह दिन भाई-बहन के अटूट बंधन को दशार्ता है। गोवर्धन पूजा, इस त्योहार का एक अन्य महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत की पूजा करने की याद दिलाता है। इस दिन लोग मिट्टी के गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा करते हैं और एक-दूसरे के साथ भोजन साझा करते हैं। इन त्योहारों का संदेश है प्रेम, भाईचारे और समर्पण, जो समाज को एकता में बांधता है। दिवाली, भैया दूज और गोवर्धन एक दूसरे के साथ मिलकर मनाए जाने वाले उत्सव हैं, जो भारतीय संस्कृति की अद्भुतता को दशार्ते हैं।

दीपावली: नारी शक्ति और समृद्धि का पर्व

ऋचा सूद का मानना है कि दीपावली नारी शक्ति और समृद्धि का प्रतीक है। इस दिन महिलाएं लक्ष्मी पूजा करती हैं, जो घर में धन और सुख-समृद्धि का आगमन करती है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति और पशुधन के प्रति सम्मान और कर्तव्य की याद दिलाती है। भैया दूज भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, जिसमें बहन अपने भाई की लंबी उम्र और खुशहाली के लिए प्रार्थना करती है। इस दीपावली पर हमें परिवार की एकता और नारी शक्ति के महत्व को समझना चाहिए और समाज में प्रेम और सहयोग का संदेश फैलाना चाहिए।

दीपावली: ग्रामीण समृद्धि और खुशहाली का पर्व

(ग्राम प्रधान, डासना देहात) सतीश कुमार गौतम कहते हैं कि दीपावली ग्रामीण जीवन में खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। गांवों में यह पर्व विशेष उत्साह के साथ मनाया जाता है, जहाँ लोग अपने घरों और खेतों को सजाते हैं और अपनी मेहनत का फल प्राप्त करते हैं। गोवर्धन पूजा में किसान भगवान कृष्ण से प्रेरणा लेते हैं कि हमें अपनी फसल और पशुधन का सम्मान करना चाहिए। भैया दूज भाई-बहन के स्नेह का पर्व है, जो परिवार में एकजुटता और प्रेम को बढ़ाता है। इस अवसर पर हमें अपने समाज और ग्रामीण जीवन को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

दीपावली: उद्योग और विकास का प्रतीक

शिवम गर्ग मानते हैं कि दीपावली उद्योग और व्यापार के लिए एक नई शुरूआत का प्रतीक है। व्यापारियों के लिए यह नया वित्तीय वर्ष शुरू होने का समय होता है, जो नई योजनाओं और लक्ष्यों को प्राप्त करने का मौका देता है। गोवर्धन पूजा हमें बताती है कि हमें अपने प्राकृतिक संसाधनों और पशुधन का सही उपयोग करना चाहिए। भैया दूज भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने का अवसर है, जिसमें भाई-बहन एक-दूसरे की सुरक्षा और समर्पण की बात करते हैं। इस दीपावली पर हमें अपने उद्योग और समाज को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

दीपावली: शिक्षा और ज्ञान का प्रकाश

प्रोफेसर योगेश वर्मा का कहना है कि दीपावली अज्ञानता के अंधकार को ज्ञान के प्रकाश से दूर करने का पर्व है। इस दिन हम अपने जीवन में नए विचारों और सीख को अपनाते हैं। गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि हमें अपनी धरती और संसाधनों का सही तरीके से उपयोग करना चाहिए। भैया दूज भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक है, जो परिवार में एकता और सौहार्द को बढ़ाता है। इस अवसर पर हमें अपने रिश्तों को मजबूत करने और शिक्षा के महत्व को समझने का संकल्प लेना चाहिए।

अहम सत्ता
(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)
RNI NO: UPHIN/2021/86326

९स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक शकील अहमद द्वारा वैकुंठ मीडिया प्रा.लि. सी-285, सेक्टर-11, विजयनगर गाजियाबाद से छपवाकर प्रथम तल, चौधरी काम्पलेक्स, निकट कल्लू की आरा मशीन, डासना स्टैंड, एन.एच.-9, गाजियाबाद से प्रकाशित।
सम्पादक : शकील अहमद
मो.: 9990200332

विज्ञापन के लिए संपर्क करें

साप्ताहिक अहम सत्ता समाचार पत्र व यूट्यूब चैनल में विज्ञप्ति, विज्ञापन जैसे नाम परिवर्तन, खोया- पाया, संबंध विच्छेद, जीडीए सूचना व अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन प्रकाशित कराने के लिए संपर्क करें।

कार्यालय-
प्रथम तल, चौधरी काम्पलेक्स,
निकट कल्लू की आरा मशीन,
डासना स्टैंड, एन.एच.-9, गाजियाबाद।
व्हाट्सएप्प नंबर-9990200332

प्रिय पाठको

आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या हम उसे निष्पक्षता और प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

साप्ताहिक
अहम सत्ता

First Floor, Choudhary Complex, near Kallu ki Aara Machine, Dasna stand, NH-09,Ghaziabad
Contact-999020332
Email- ahamsatta@gmail.com,
www.ahamsatta.com

मुख्य संपादक: शकील अहमद, समाचार संपादक:- चौधरी अफसर, उप संपादक:- रवि कुमार

संरक्षक:- हाजी शाहिद अखलाक, हाजी मेहरबान कुरैशी, राकेश काका जी, पंडित प्रदीप शर्मा, व कुँवर अय्यूब अली

Aham Satta 25.10.24 to 31.10..24_aham satta 25-10-2024 11:47 Page 3

दीपावली: नवजीवन और सौहार्द का पर्व

संजय चौधरी (भाजपा नेता) का कहना है कि दीपावली का पर्व जीवन में नए आरंभ का प्रतीक है। यह हमें अंधकार से उजाले की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। गोवर्धन पूजा हमें प्रकृति और कृषकों के महत्व को समझने का मौका देती है, जो समाज की नींव होते हैं। भैया दूज भाई-बहन के रिश्ते की महत्ता को दर्शाता है, जहां दोनों एक-दूसरे की भलाई के लिए प्रार्थना करते हैं। इस पर्व पर हमें परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए एकजुट होकर काम करना चाहिए, जिससे न केवल व्यक्तिगत विकास हो बल्कि समाज में भी सौहार्द और शांति बनी रहे।

दीपावली: परिवार और समाज में समर्पण का पर्व

राहुल प्रमुख उर्फ डैनी (रजापुर ब्लॉक प्रमुख पति व भाजपा नेता) मानते हैं कि दीपावली एक ऐसा पर्व है, जो परिवार और समाज में समर्पण और प्रेम को बढ़ावा देता है। गोवर्धन पूजा हमें भगवान कृष्ण की प्रेरणा देती है कि हमें अपने समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का एहसास करना चाहिए। भैया दूज भाई-बहन के बीच के अटूट रिश्ते को और भी मजबूत बनाने का पर्व है। यह समय हमें अपने प्रियजनों के साथ समय बिताने और उनके साथ खुशियों को बांटने का मौका देता है। दीपावली पर हमें समाज में एकजुटता और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे सभी लोग समृद्ध और खुशहाल बन सकें।

दीपावली: समाचार की रोशनी और समाज का विकास

रवि कुमार (उप संपादक, अहम सत्ता समाचार पत्र) का कहना है कि दीपावली हमें समाज और मीडिया की अहमियत का एहसास कराती है। यह पर्व हमें अंधकार से उजाले की ओर ले जाता है, जैसे समाचार समाज में ज्ञान और जागरूकता की रोशनी फैलाते हैं। गोवर्धन पूजा प्रकृति और पशुधन की रक्षा के महत्व को दर्शाती है, जिसे हमें समझना चाहिए। भैया दूज भाई-बहन के बीच के अटूट प्रेम और देखभाल का प्रतीक है। इस पर्व पर हमें समाज में सही और निष्पक्ष जानकारी फैलाने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि सभी लोग जागरूक होकर अपने और समाज के विकास में योगदान दे सकें।

गरीबों की भलाई के लिए निष्पक्षता और समाज सेवा

मेहरबान कुरैशी (चेयरमैन, गाजीपुर मंडी, दिल्ली) का कहना है कि समाज की प्रगति तभी संभव है जब हम गरीबों और जरूरतमंदों के लिए काम करें। मुस्लिम समाज में गरीबी एक बड़ी समस्या है, और इसे दूर करने के लिए शिक्षा और समाज सेवा का व्यापक विस्तार करना जरूरी है। निष्पक्षता का अर्थ है कि हम हर व्यक्ति को समान अवसर दें, चाहे वह किसी भी जाति या धर्म का हो। दहेज जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए हमें ठोस कदम उठाने होंगे। गरीब बेटियों की शादी में मदद करना समाज की जिम्मेदारी है और हम सबको इसके लिए आगे आना चाहिए।

थाना वेव सिटी पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त और अभियुक्ता को किया गिरफ्तार

गाजियाबाद, थाना वेव सिटी पुलिस ने दहेज हत्या के मामले में वांछित अभियुक्त शशांक यादव और उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई उस समय हुई जब 6 अक्टूबर 2024 को वादी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। तहरीर में आरोप लगाया गया था कि वादी की बहन के पति और उसके परिवार के लोगों ने अतिरिक्त दहेज के रूप में एक फोर्च्यूनर कार की मांग की और मांग पूरी नहीं होने पर वादी की बहन की हत्या कर दी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तुरंत एफआईआर दर्ज की और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एक टीम का गठन किया। इसी क्रम में 8 अक्टूबर 2024 को शशांक यादव को गिरफ्तार किया गया। आज, 24 अक्टूबर 2024 को पुलिस ने जयवीर सिंह यादव और उनकी पत्नी बीना को गिरफ्तार किया, जो कि शशांक के माता-पिता हैं। दोनों को आनंद अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया गया है और उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। **(पूछताछ में क्या आया सामने)** पूछताछ के दौरान अभियुक्तों ने बताया कि उनका एक स्कूल है, जिसमें वे और उनका बेटा शशांक प्रबंधन का कार्य करते हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें स्कूल के काम के लिए कुछ पैसे की आवश्यकता थी और इसी संबंध में उन्होंने अपनी बहु से पैसे की मांग की थी। इसी बात को लेकर मृतका नाराज हो गई और 6 अक्टूबर 2024 को उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। यह गिरफ्तारी दहेज प्रथा के खिलाफ पुलिस की सख्ती को दर्शाती है और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

दीपावली: समृद्धि और सद्भावना का पर्व

सतीश शर्मा (कांग्रेस वरिष्ठ नेता) का मानना है कि दीपावली समाज में समृद्धि और सद्भावना को बढ़ाने का पर्व है। यह त्योहार हमें अपने आसपास के लोगों के साथ प्रेम और सम्मान का आदान-प्रदान करने का मौका देता है। गोवर्धन पूजा में भगवान कृष्ण का संदेश स्पष्ट है कि हमें अपनी धरती और पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए। भैया दूज भाई-बहन के बीच के स्नेह और समर्पण का पर्व है, जो परिवार को और भी मजबूत बनाता है। इस दीपावली पर हमें न केवल अपने परिवार के लिए बल्कि पूरे समाज के लिए भी समर्पण और एकजुटता की भावना को बढ़ावा देना चाहिए।

शिक्षा और ईमानदारी: मुस्लिम समाज की प्रगति की कुंजी

डॉ. सौलत पाशा (जिला अध्यक्ष, अल्पसंख्यक मोर्चा, गाजियाबाद भाजपा) का मानना है कि मुस्लिम समाज की प्रगति का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षा है। बिना शिक्षा के कोई समाज अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक नहीं हो सकता। शिक्षा के साथ-साथ समाज में ईमानदारी और निष्पक्षता का महत्व है। समाज को जाति और धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर एक निष्पक्ष और न्यायपूर्ण व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहिए। गरीब बेटियों की शादी के लिए हमें सामूहिक प्रयास करने चाहिए ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें। भाजपा का अल्पसंख्यक मोर्चा समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, और हम सबको मिलकर गरीबों के उत्थान में योगदान देना चाहिए।

मुस्लिम समाज के लिए गरीबी उन्मूलन और शिक्षा का महत्व

शहजाद प्रधान (ग्राम प्रधान, मसूरी) का मानना है कि मुस्लिम समाज को आगे बढ़ाने के लिए गरीबी उन्मूलन और शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षा वह हथियार है जो समाज को गरीबी से बाहर निकालने में मदद करती है। गरीबी न केवल आर्थिक स्थिति को प्रभावित करती है, बल्कि सामाजिक विकास में भी बाधा उत्पन्न करती है। ग्राम स्तर पर हमें दहेज जैसी कुरीतियों को समाप्त करने के लिए जागरूकता फैलानी चाहिए। गरीब बेटियों की शादी के लिए समाज को एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। शिक्षा, ईमानदारी और निष्पक्षता ही वह मूल्य हैं जो समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

इस्लाम और सामाजिक विकास

गरीबी, महिला मदद और आगे की राह

हाजी आरिफ अली (पूर्व चेयरमैन पति नगर पंचायत डासना, पश्चिम उत्तर प्रदेश प्रभारी एआइएमआइएम) इस्लाम धर्म का मूल उद्देश्य समाज में समानता, न्याय और मानवता की सेवा करना है। इस्लाम ने हमेशा महिलाओं को उनके अधिकारों की पहचान कराई है। लेकिन, आज भी समाज में गरीबी और असमानता की समस्याएं हैं, जो महिलाओं को आगे बढ़ने से रोकती हैं। हमें चाहिए कि हम दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाएं और बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता दें। शिक्षा से न केवल महिलाओं का सशक्तिकरण होगा, बल्कि यह समाज की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेगा। हमें उन परिवारों को समर्थन देना चाहिए जो अपनी बेटियों को शिक्षा दिलाने में आर्थिक रूप से असमर्थ हैं। केवल इसी तरह हम एक स्वस्थ और विकसित समाज की ओर बढ़ सकते हैं।

महिला मदद और सशक्तिकरण

इस्लाम की शिक्षाएं

समर चौधरी (समाजसेवी) महिला मदद के संदर्भ में इस्लाम की शिक्षाएं हमें प्रेरित करती हैं कि हम हर संभव सहायता प्रदान करें। समाज के सबसे कमजोर वर्गों को आर्थिक सहायता और शिक्षा उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। गरीबी की रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों की बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसर प्रदान करके हम उनके जीवन को बदल सकते हैं। महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए हमें प्रशिक्षण कार्यक्रमों और रोजगार संबंधी योजनाओं का आयोजन करना चाहिए। इस्लाम के मूल सिद्धांतों के अनुसार, जब हम महिलाओं को सशक्त बनाते हैं, तो हम न केवल उनके जीवन में सुधार लाते हैं, बल्कि समाज में समृद्धि और विकास की नींव भी रखते हैं। इसलिए, हमें मिलकर इस दिशा में कार्य करना चाहिए ताकि एक सशक्त और समृद्ध समाज का निर्माण हो सके।

सामाजिक विकास में इस्लाम की भूमिका: गरीबी, महिला मदद और सशक्तिकरण

राशिद खान (समाजसेवी) इस्लाम धर्म ने हमेशा सामाजिक न्याय और समानता का समर्थन किया है। आज भी जब हम गरीबी, भेदभाव और असमानता की समस्या का सामना कर रहे हैं, तब इस्लाम का संदेश हमें प्रेरित करता है। हमें चाहिए कि हम समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं, की मदद करें। महिला शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना इस्लाम के सिद्धांतों के अनुरूप है। जब महिलाएं शिक्षित होती हैं, तो वे अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। हम सभी को मिलकर ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए, जो महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए प्रशिक्षण प्रदान करें। इस्लाम हमें यह सिखाता है कि एक मजबूत और समृद्ध समाज की रचना में सभी का योगदान आवश्यक है।

दीपावली: प्रकाश और समृद्धि का पर्व

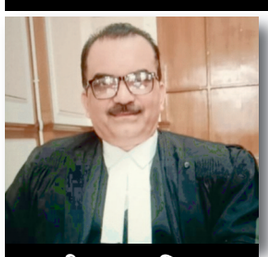

श्री कृष्ण मिश्रा
वरिष्ठ अधिवक्ता, हाई कोर्ट इलाहाबाद

अहम सत्ता

दीपावली का पर्व भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व रखता है। यह केवल रोशनी का त्योहार नहीं, बल्कि बुराई पर अच्छाई की विजय और अज्ञान पर ज्ञान की जीत का प्रतीक है। इस दिन भगवान राम 14 वर्षों का वनवास पूरा कर अयोध्या लौटे थे, और उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने दीप जलाए थे। दीपावली के दिन हम न केवल अपने घरों को दीपों से सजाते हैं, बल्कि अपने मन और समाज को भी ज्ञान और प्रेम के प्रकाश से आलोकित करते हैं। यह त्योहार हमें प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देता है। साथ ही, यह समय होता है अपने परिवार और समाज के साथ मिलकर खुशियां बांटने का। हमें इस पर्व पर अपने आसपास के जरूरतमंदों को भी अपनी खुशियों में शामिल करना चाहिए। दीपावली का यह पावन पर्व सबके जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए, यही हमारी कामना है।

मुस्लिम समाज की प्रगति में शिक्षा और सहयोग की भूमिका

शकील प्रधान (पूर्व प्रधान पति, मसूरी) शकील प्रधान का मानना है कि मुस्लिम समाज की प्रगति के लिए शिक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। आज के दौर में, जब हमें दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों का सामना करना पड़ रहा है, शिक्षा ही है जो हमें एक सशक्त समाज के रूप में आगे बढ़ा सकती है। मुस्लिम बेटियों की शादी में दहेज की मांग के बजाय, हमें उनके शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इस दिशा में काम करते हुए, हम न केवल अपनी बेटियों को सशक्त बना सकते हैं, बल्कि समाज में ईमानदारी और निष्पक्षता को भी बढ़ावा दे सकते हैं। हर एक मुस्लिम को अपने धर्म के मूल्यों को समझते हुए, गरीब बेटियों की शादी में सहायता करने का प्रयास करना चाहिए। इसलिए, हमें एकजुट होकर इस दिशा में काम करना चाहिए, ताकि हम एक खुशहाल और समृद्ध समाज की दिशा में बढ़ सकें।

गरीबी और दहेज के खिलाफ जंग: मुस्लिम समाज का संकल्प

बासिद प्रधान (पूर्व विधानसभा प्रत्याशी, बसपा, धौलाना-58) का कहना है कि मुस्लिम समाज को गरीबी और दहेज जैसी बुराइयों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ाई लड़नी चाहिए। हमारे समाज में शिक्षा का अभाव एक बड़ी समस्या है, जो हमें पीछे रखती है। शिक्षा के माध्यम से हम अपने बच्चों को सशक्त बना सकते हैं, और उन्हें बेहतर भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। दहेज प्रथा को समाप्त करने के लिए, हमें एक सकारात्मक बदलाव लाने की आवश्यकता है। सभी को एक साथ मिलकर इस दिशा में प्रयास करना चाहिए। समाजवादी पार्टी का समर्थन इस परिवर्तन की दिशा में मदद करेगा, क्योंकि यह पार्टी समानता और न्याय के सिद्धांतों पर आधारित है। हमें अपने समाज की भलाई के लिए आगे आना चाहिए, ताकि हम सभी के लिए एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकें।

समाज सेवा और शिक्षा: मुस्लिम समुदाय की जिम्मेदारी

अलीमुद्दीन सैफी (वरिष्ठ समाजसेवी) अलीमुद्दीन सैफी का मानना है कि मुस्लिम समुदाय को अपने भीतर से गरीबी को समाप्त करने और शिक्षा को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। शिक्षा न केवल व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है, बल्कि यह सामूहिक विकास का भी आधार है। दहेज प्रथा के खिलाफ जागरूकता फैलाने के लिए समाज सेवा एक महत्वपूर्ण साधन है। हम सबको अपने धर्म के अनुसार एक-दूसरे की मदद करनी चाहिए, ताकि हम एक मजबूत और शिक्षित समाज का निर्माण कर सकें। हमें एकजुट होकर अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। निष्पक्षता और ईमानदारी से हमें अपने समाज की भलाई के लिए काम करना चाहिए।

समाज के सभी वर्गों का विकास: एक नई दिशा

नाजिम मेवाती (उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा गाजियाबाद) मैं भारतीय जनता पार्टी की ओर से देश के प्रधानमंत्री यशस्वी नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हूँ। उनके नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' की नीति को आगे बढ़ाने के लिए किए गए प्रयासों ने समाज के सभी वर्गों को सशक्त किया है। इस नीति के तहत, मुसलमान समुदाय को भी विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा रहा है। इस सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के क्षेत्रों में विशेष ध्यान देकर समाज के कमजोर वर्गों को लाभान्वित करने का कार्य किया है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में चलाए गए योजनाओं के माध्यम से मुसलमान युवाओं को तकनीकी शिक्षा, स्वरोजगार और कौशल विकास के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। हमें विश्वास है कि इस दिशा में उठाए गए कदमों से मुस्लिम समुदाय का विकास होगा, और हम एक समृद्ध और सशक्त भारत की ओर बढ़ेंगे। भाजपा का उद्देश्य है कि हर वर्ग को विकास के अवसर मिले, और हम इस संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम सभी को मिलकर इस प्रयास में योगदान देना चाहिए ताकि एक समावेशी और प्रगतिशील समाज का निर्माण हो सके।

थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने हत्या का सफल अनावरण, मृतका के बेटे सहित 3 अभियुक्त गिरफ्तार

अहम सत्ता

गाजियाबाद के थाना ट्रोनिका सिटी पुलिस ने हत्या के एक मामले का सफल अनावरण करते हुए मृतका के बेटे सहित तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। यह मामला 4 अक्टूबर 2024 को तब शुरू हुआ जब वादी सुनील कुमार ने थाना ट्रोनिका सिटी में अपनी पत्नी संगीता की हत्या की तहरीर दी थी। तहरीर के अनुसार, अज्ञात अभियुक्तों ने उनकी पत्नी की हत्या कर दी थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तुरंत मामला दर्ज किया और घटना के अनावरण के लिए एक टीम का गठन किया। विवेचना के दौरान, पुलिस ने साक्ष्य संकलन, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर तीन अभियुक्तों की पहचान की, जिनमें शामिल हैं। सुधीर उर्फ मोहित उर्फ चुल्लक (मृतका का बेटा), सचिन त्यागी उर्फ चूहा, अंकित उर्फ गुर्दा पुलिस ने बताया कि मैनुअल इनपुट के आधार पर अभियुक्तों को पानी की टंकी के पास, अगरौला थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

अभियुक्तों के कब्जे से हत्या में प्रयुक्त ईंट और मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। पूछताछ के दौरान, अभियुक्त सुधीर उर्फ मोहित ने बताया कि वह अपने माता-पिता के साथ रहता था। उसने अपनी मां से 20,000 रुपये की मांग की थी, लेकिन मां ने पैसे देने से इनकार कर दिया और उसे अपमानित किया। इस अपमान के चलते उसने अपनी मां की हत्या करने की योजना बनाई। सुधीर ने अपने दोस्तों सचिन और अंकित के साथ मिलकर योजना बनाई और 3 अक्टूबर 2024 को रात 9 बजे अपनी मां को मोटरसाइकिल पर ले जाकर हत्या कर दी। उन्होंने गैस एजेंसी के पीछे हत्या को अंजाम दिया, जहां सचिन ने ईंट से संगीता के सिर पर कई बार वार किया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है और मामले की जांच जारी है। यह घटना एक गंभीर पारिवारिक विवाद को उजागर करती है और दिमागी तनाव के खतरों के प्रति चेतावनी देती है।

Aham Satta 25.10.24 to 31.10..24_aham satta 25-10-2024 11:47 Page 4

वेट्टैयन के फिसड्डी साबित होने पर घाटे की भरपाई करेंगे रजनीकांत?

रजनीकांत की नवीनतम रिलीज वेट्टैयन बॉक्स ऑफिस की उम्मीदों से मेल खाने में विफल रही है। दिलचस्प स्टार कास्ट के साथ रजनीकांत और अमिताभ बच्चन को एक साथ लाने के बावजूद फिल्म अपने पहले सप्ताह के अंत में दुनिया भर में केवल 207 करोड़ रुपये ही जुटा सकी। अब, ऐसी खबरें सामने आई हैं कि फिल्म के पीछे के प्रोडक्शन हाउस लाइका प्रोडक्शंस ने नुकसान की भरपाई के लिए सुपरस्टार से संपर्क किया है। हालांकि, इस पर आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि लाइका प्रोडक्शन ने वेट्टैयन के वित्तीय झटके की भरपाई करने के लिए रजनीकांत से उनके लिए एक और फिल्म करने के लिए कहा है।

अभिनेता से अगले सहयोग के लिए अपना वेतन कम

कथित तौर पर यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि प्रोडक्शन हाउस की रजनीकांत के साथ आखिरी रिलीज फिल्में 2.0, लाल सलाम और दरबार भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। वेट्टैयन के साथ, निर्माताओं को मुआवजे की उम्मीद थी लेकिन नवीनतम रिलीज भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। आगामी सहयोग के बारे में विवरण गुप्त रखा गया है। टीजे ग्नानवेल द्वारा निर्देशित वेट्टैयन में रजनीकांत ने एक बार फिर एक पुलिस वाले की भूमिका निभाई। इससे पहले, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, फिल्म निर्माता ने फिल्म का प्रीक्वल बनाने के अपने इरादे पर विचार किया था। इस बात पर जोर देते हुए कि वह प्रीक्वल के माध्यम से फिल्म में रजनीकांत के किरदार अथियान के चरित्र का पता लगाना चाहते हैं। ग्नानवेल ने साझा किया कि वह एनकाउंटर स्पेशलिस्ट बनने की अपनी यात्रा दिखाना चाहते हैं। अमिताभ बच्चन और रजनीकांत 1991 की फिल्म हम के वर्षों बाद वेट्टैयन के साथ बड़े पर्दे पर साथ आए हैं। इस पुनर्मिलन ने प्रशंसकों को उत्साह से भर दिया था। हालांकि, वेट्टैयन के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन में इसका कोई फायदा नहीं हुआ। इस जोड़ी और फहद फासिल के अलावा, फिल्म में राणा दग्गुबाती, मंजू वारियर, रितिका सिंह और दुशारा विजयन भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

तमन्ना भाटिया की फिल्म ओडेला 2 को लेकर आया नया अपडेट

तमन्ना भाटिया एक मशहूर भारतीय अभिनेत्री हैं, जो साउथ के अलावा हिंदी फिल्मों में भी अभिनय करती हैं। वह इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ओडेला 2 को लेकर व्यस्त हैं। ये फिल्म एक हाई-वोल्टेज आध्यात्मिक थ्रिलर होने वाली है। फिल्म में तमन्ना बेहद अलग अवतार में नजर आने वाली है। वह इस फिल्म में शिवशक्ति नामक एक नागा साध्वी का किरदार निभाएंगी। हाल में ही फिल्म के निर्माण की औपचारिकताएं पूरी की गई हैं। वर्तमान में फिल्म का पोस्ट-प्रोडक्शन चल रहा है। अब इस फिल्म पर नया अपडेट आया है।

हिंदी में भी डब होगी तमन्ना की ओडेला 2

123 तेलुगु डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म को लेकर आए एक नवीनतम अपडेट के अनुसार ओडेला 2 को हिंदी में भी डब किया जाएगा। फिलम को मूल भाषा तेलुगु के साथ-साथ पूरे भारत में रिलीज किया जाएगा। तमन्ना भाटिया एक ऐसी अभिनेत्री हैं, जिनके फैंस पूरे देश भर में हैं और वो लगातार साउथ के अलावा हिंदी फिल्मों में भी नजर आती रही हैं। इस वजह से उनके हिंदी फैंस के लिए ये खबर काफी उत्साह बढ़ाने वाली है। ओडेला 2 की शुरुआत हिंदी बेल्ट में पूरी तरह से तमन्ना के स्टारडम पर निर्भर करेगी।

कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ दे रहे हैं संगीत

तमन्ना भाटिया की इस फिल्म से अभिनेत्री के फैंस को काफी उम्मीदें हैं। हाल में ही फिल्म के सेट से अभिनेत्री ने अपनी तस्वीर साझा की थी, जिसे फैंस ने काफी पसंद किया था। फिल्म में तमन्ना के अलावा हेबाह पटेल, लोकप्रिय चरित्र कलाकार मुरली शर्मा, केजीएफ फेम वशिष्ठ सिम्हा और अन्य कई कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म का निर्माण लोकप्रिय निर्देशक संपत नंदी द्वारा किया जा रहा है। वहीं, इस फिल्म का निर्देशन अशोक तेजा कर रहे हैं। कंतारा फेम अजनीश लोकनाथ फिल्म में संगीत दे रहे हैं।

स्त्री 2 और वेदा में भी आ चुकी हैं नजर

तमन्ना भाटिया हाल ही में रिलीज़ हुई ब्लॉकबस्टर हॉरर कॉमेडी, स्त्री 2 में अपने शानदार स्पेशल डांस नंबर आज की रात से काफी वाहवाही बटोरी है। इस गाने में अपने डांस और भाव से अभिनेत्री ने फैंस को मंत्रमुग्ध कर दिया था। इस फिल्म में वह एक कैमियो करती नजर आईं, जिसमें उनके किरदार का नाम शमा रखा गया था। स्त्री 2 की बात करें, तो ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है।

पुष्पा 2 द रूल में होगा धमाल, अल्लू के साथ श्रद्धा कपूर को होगा आइटम सॉन्ग?

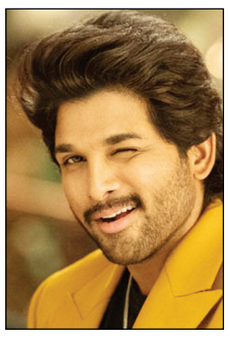

पुष्पा 2 इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म साल 2021 में आई पुष्पा द राइज का दूसरा भाग है। इस फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की जोड़ी एक बार फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचाएगी। पुष्पा 1 में सामंथा रुथ प्रभु का बेहद ही शानदार और सिजलिंग आइटम सॉन्ग ऊ अंटावा था, जिसने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था। लेकिन क्या आपको यह पता है कि पुष्पा 2 द रूल में कौन सी अभिनेत्री अल्लू के साथ जबर्दस्त ठुमके लगाती नजर आएंगी।

2021 में रिलीज हुई ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा द राइज का दूसरा भाग पुष्पा 2 द रूल की रिलीज का हर एक अल्लू अर्जुन का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहा है। पुष्पा 2 इस साल की सबसे ज्यादा चर्चित फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में पिछली फिल्म की तरह ही एक सिजलिंग और हॉट आइटम सॉन्ग होने की बात काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई है, लेकिन क्या आपको यह पता है कि इस बार पुष्पा 2 द रूल में अल्लू के साथ कौन सी अभिनेत्री अपना जलवा बिखेरेगी। आइए बताते हैं।

अल्लू के साथ श्रद्धा कपूर को होगा आइटम सॉन्ग?

पुष्पा 2- द रूल इस साल की सबसे प्रतिष्ठित फिल्मों में से एक मानी जा रही है। अल्लू अर्जुन अभिनीत इस फिल्म के बारे में कई जानकारियां सामने आती रहती हैं। अब सोशल मीडिया पर यह जानकारी सामने आई है कि फिल्म के निर्माता-निर्देशक ने अल्लू अर्जुन के साथ एक खास गाने में धमाल मचाने के लिए श्रद्धा कपूर को फाइनल कर लिया है। श्रद्धा से पहले कई अभिनेत्रियों के नामों पर विचार किया जा चुका है, लेकिन आखिर में स्त्री 2 फेम अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के नाम को फाइल कर लिया गया है। हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

साल 2021 में आई अल्लू और रश्मिका की फिल्म पुष्पा द राइज में ऊ अंटावा सॉन्ग ने सभी का खूब मनोरंजन किया था। इस गाने में साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु के साथ अल्लू के डांस मूव्स ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस गाना उस समय नंबर वन पर ट्रेंड कर रहा था। अब मेकर्स पुष्पा 2 में भी एक जबर्दस्त आइटम सॉन्ग लेकर आएंगे। सुकुमार द्वारा निर्देशित पुष्पा 2, 6 दिसंबर, 2024 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अल्लू के अलावा रश्मिका मंदाना इस फिल्म में मुख्य भूमिका में हैं, जबकि फहाद फासिल खलनायक की भूमिका में नजर आएंगे। माइथ्री मूवी मेकर्स की इस फिल्म को लेकर अल्लू और रश्मिका के प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। फिल्म में देवी श्री प्रसाद का संगीत है।

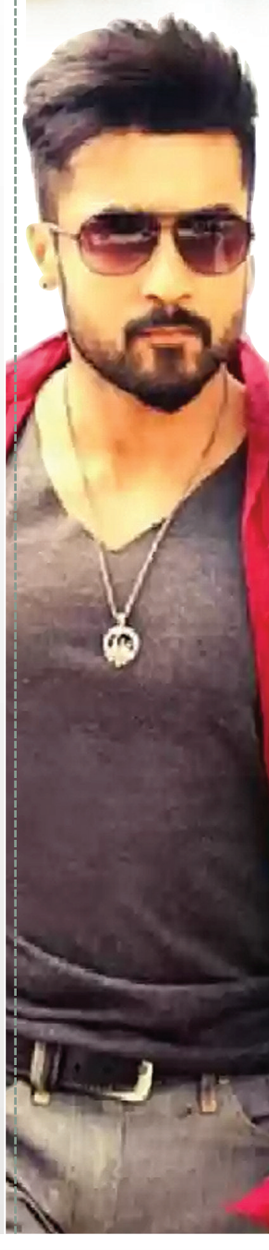

सूर्या की अगली फिल्म को निर्देशित करेंगे आर.जे.बालाजी, सोशल ड्रामा में होगा एक्शन का तड़का

सूर्या अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं, जिसका नाम अस्थायी रूप से सूर्या 45 रखा गया है, जिसे आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित किया जाएगा। प्रोडक्शन टीम ने आधिकारिक तौर पर इस प्रोजेक्ट की घोषणा करते हुए खुलासा किया कि संगीत एआर रहमान द्वारा रचित किया जाएगा। सूर्या ने फिल्म की घोषणा पोस्टर को कैप्शन के साथ साझा किया रोमांचित! जबकि आरजे बालाजी ने खबर साझा करते हुए लिखा, हम आप सभी से एक ब्लॉकबस्टर मनोरंजक फिल्म का वादा करते हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म एक एक्शन से भरपूर थ्रिलर है, जो गांव की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जारी किए गए पोस्टर में तिलक के साथ लंबी दरांती और बीच में एक वेल (भाला) दिखाया गया है, जो एक गहन कहानी की ओर इशारा करता है। सूर्या 45 सूर्या और एआर रहमान के बीच चौथा सहयोग भी है। इससे पहले वे आयुथा एजुथु सिल्लुनु ओरु काधल और 24 जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि रहमान का संगीत इस नए प्रोजेक्ट को कैसे आगे बढ़ाएगा। सूर्या 45 से पहले सूर्या शिवा द्वारा निर्देशित बहुप्रतीक्षित फिल्म कंगुवा में नजर आएंगे। यह फिल्म एक फंतासी-एक्शन एडवेंचर है जिसमें बॉबी देओल और दिशा पटानी हैं जो तमिल में अपना डेब्यू कर रहे हैं। सहायक कलाकारों में जगपति बाबू, नटराजन सुब्रमण्यम, योगी बाबू, रेडिन किंग्सले और कोवई सरला शामिल हैं। 14 नवंबर 2024 को रिलीज होने वाली कंगुवा भारत की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होने की उम्मीद है। फिल्म में सूर्या दो अलग-अलग भूमिकाओं में नज़र आएंगे, जो कई अलग-अलग समय पर आधारित होंगे। निर्देशक ने बताया कि फिल्म ऐतिहासिक रोमांचकारी तत्वों पर केंद्रित होगी।

बेटे अरहान के डेब्यू में अभी वक्त है

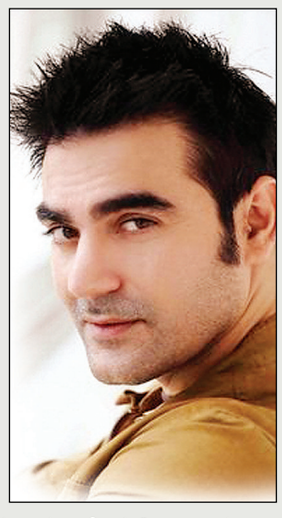

अरबाज खान ने हाल ही में बेटे अरहान खान के बॉलीवुड डेब्यू पर बात की। उन्होंने कहा कि अरहान को फिल्मों में आने के लिए अभी कुछ साल लग सकते हैं। वह अभी काफी युवा हैं और खुद पर काम कर रहे हैं। इंस्टेंट बॉलीवुड से बातचीत के दौरान अरबाज खान ने कहा, 'उम्मीद है कि एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने के लिए अरहान को अभी एक से दो साल तक का समय और लग सकता है। मुझे यकीन है कि वह पहले एक एक्टर के रूप में सामने आएगा, फिर वह किसी और काम को करेगा। उसके लिए एक्टिंग ही पहली प्राथमिकता होगी।' अरहान के साथ दोस्ती जैसा रिश्ता- मलाइका अरोड़ा बता दें, एक इंटरव्यू के दौरान मलाइका अरोड़ा ने बेटे अरहान खान संग अपने रिश्ते के बारे में बात की थी। उन्होंने कहा था, मैं सख्त होने के साथ ही सपोर्टिव मां भी हूं। अरहान जानता है कि वो किसी भी बात के लिए मेरी मदद ले सकता है। हालांकि, मुझे ये भी लगता है कि आज के टाइम में बच्चों के साथ दोस्ती बनाना काफी जरूरी है। लेकिन उससे भी ज्यादा ये जरूरी है कि आप अपने माता-पिता के रोल को गंभीरता से निभाएं। इसके अलावा अरहान खान के टॉक शो डंब बिरयानी में मलाइका ने बेटे अरहान और पिता अरबाज की आदतों के बारे में भी बात की। एक्ट्रेस ने कहा, अरहान की कुछ आदतें अरबाज जैसी हैं, जैसे कान और सिर खुजलाना। इसके साथ ही अरहान अपने पिता अरबाज जैसी साफ और पाक सोच भी रखता है।

रिलेशनशिप स्टेटस पर आदित्य रॉय कपूर ने तोड़ी चुप्पी

आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे का रिलेशनशिप लोगों के बीच खूब चर्चा का विषय रहा। अनन्या से ब्रेकअप के बाद पहली बाद आदित्य ने अपने रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में बात की। उन्होंने कहा 'मैं इस समय पूरी तरह से चिल हूं।'करीना कपूर के चैट शो 'व्हाट वीमेन वांट' में इस बार गेस्ट के तौर पर आदित्य रॉय कपूर नजर आएंगे। इसका प्रोमो वीडियो सामने आया है, जिसमें करीना आदित्य से उनकी तीन पसंदीदा खूबियों पूछती नजर आईं। इसपर आदित्य ने कहा, 'मैं बहुत हैंडसम हूं, मैं आकर्षक हूं।' करीना आगे कहती हैं कि बहुत वीमेन आपके रिलेशनशिप स्टेटस के बारे में जानना चाहती हैं। इसका जवाब देते हुए आदित्य ने कहा, क्या चिल करना भी कोई स्टेटस है? मैं चिलर हूं।' आदित्य रॉय कपूर ने अपने करियर के बारे में बात करते हुए कहा, फिल्म आशिकी ने मेरे फिल्मी करियर की दिशा ही बदल दी। ऐसा नहीं है कि मैं उस रोल से इसलिए जुड़ा क्योंकि वह एक शराबी था।' करीना ने आदित्य से पूछा कि वह रिश्ते में घोस्टिंग (बिना कुछ बताए संपर्क खत्म करना) से कैसे निपटते हैं। आदित्य ने कहा, मैं ज्यादा फोन यूज नहीं करता। मुझे कोई सौ मैसेज भेजे तो मैं इग्नोर करके ब्लॉक कर दूं।'

पार्टनर को 50 से 75 बार कॉल करती हूं

अनन्या पांडे ने हाल ही में शो नो फिल्टर नेहा पर बताया था, अगर मेरे पार्टनर ने फोन नहीं उठाया, तो मैं 50 से 75 बार कॉल करती हूं। मैं ऐसी व्यक्ति हूं, जिसे एक मिनट में समस्या का समाधान चाहिए होता है। मुझे लोगों को स्पेस देना पसंद नहीं है। यह अच्छी आदत नहीं है।'

मार्च में हुआ था ब्रेकअप

आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे ने लगभग दो सालों तक एक दूसरे को डेट किया। दोनों को कई बार साथ समय बिताते स्पॉट किया गया था। हालांकि, ये रिश्ता भी लंबा नहीं चला और मार्च में उनका ब्रेकअप हो गया था।

टीवी शो के अलावा भोजपुरी गाने में भी काम कर चुकी हैं अपर्णा दीक्षित

टीवी एक्ट्रेस अपर्णा दीक्षित अपने धारावाहिक शो के कारण प्रशंसकों के बीच काफी चर्चा में रहती हैं। अपर्णा अपना जन्मदिन मना रही हैं। अपर्णा को अम्बिका, देविका देओल जैसे किरदारों के कारण काफी प्रशंसकों के बीच चर्चा में रही हैं। कलश एक विश्वास, बेपनाह प्यार, प्यार की लुका छुपी, तुलसी हमारी बड़ी सयानी, मेरी आशिकी तुमसे ही, महाभारत जैसे धारावाहिकों में नजर आईं। टीवी शो के अलावा अपर्णा को भोजपुरी गाने दिलदारा में भी देखा गया था। इस गाने में अपर्णा ने विशाल सिंह के साथ अभिनय किया था।

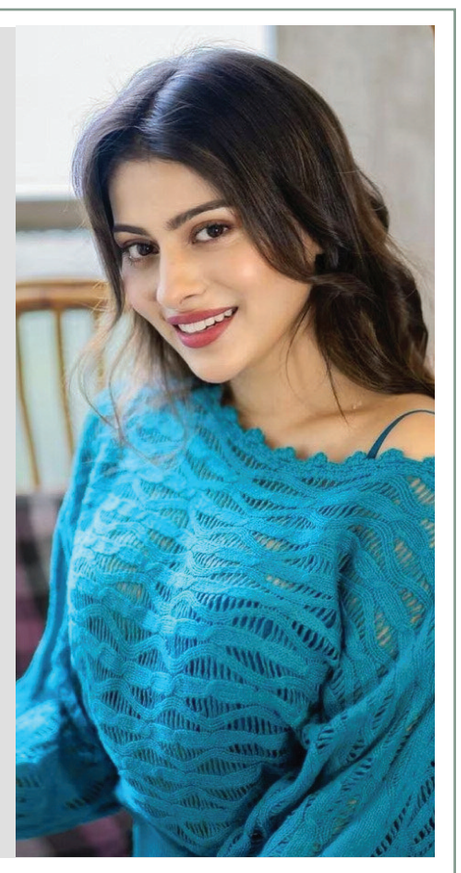

Aham Satta 25.10.24 to 31.10..24_aham satta 25-10-2024 11:47 Page 5

निर्वाचन कार्य से सम्बंधित सुझाव, सूचना एवं शिकायत हेतु नम्बर जारी

गाजियाबाद। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद गाजियाबाद की विधानसभा 56–गाजियाबाद सदर सीट में उप निर्वाचन कार्य सम्पन्न कराया जा रहा है। जिसके मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी के निदेशानुसार सौरभ भट्ट नोडल अधिकारी कन्ट्रोल रूम/कॉल सेन्टर/निर्वाचन कार्य सम्बंधी शिकायत प्रकोष्ठ/सी–विजिल द्वारा निर्वाचन कार्य से सम्बंधित किसी भी शिकायत एवं सुझाव हेतु कन्ट्रोल रूम दूरभाष नम्बर 120-2989032 व 120-2989034 जारी किया है। अतः किसी भी मतदाता, जागरूक नागरिक, निर्वाचन कर्मी एवं अन्य गणमान्य निर्वाचन से सम्बंधित किसी भी सूचना, शिकायत एवं सुझाव हेतु दिये गये नम्बर पर सम्पर्क करें।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती को राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में दो साल तक मनाएगा केंद्र

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश के प्रथम गृहमंत्री एवं उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल के महान योगदान के सम्मान स्वरूप उनकी 150वीं जयंती को 2024 से 2026 तक राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में मनाएगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक्स पोस्ट में इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे मजबूत लोकतंत्रों में से एक भारत के लोकतंत्र की स्थापना के पीछे एक विज़नरी के रूप में सरदार पटेल की स्थायी विरासत और कश्मीर से लक्षद्वीप तक भारत के एकीकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका अमिट है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार सरदार पटेल के महान योगदान के सम्मान स्वरूप उनकी 150वीं जयंती को 2024 से 2026 तक राष्ट्रव्यापी समारोह के रूप में मनाएगी। यह समारोह सरदार पटेल की उल्लेखनीय उपलब्धियों और एकता की भावना के प्रतीक का साक्षी होगा। उल्लेखनीय है कि सरदार पटेल का जन्म 31 अक्टूबर, 1875 को गुजरात के नाडियाड में हुआ था। मोदी सरकार 2014 से 31 अक्टूबर को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाती आ रही है। पटेल को 550 से अधिक रियासतों को भारत संघ में विलय करने का श्रेय दिया जाता है।

पत्नी से विश्वासघात करना कानूनी अपराध : हाईकोर्ट

कोच्ची । केरल हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति ए बदरुद्दीन की एकल पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। पति ने अपनी पत्नी की सहमति के बिना पत्नी का सोना ज्वैलर के पास गिरवी रख दिया। पत्नी ने इसकी शिकायत की। केरल हाईकोर्ट ने इसे धारा 406 के तहत एक अपराध माना है। पत्नी की बिना सहमति से पति को यह अधिकार नहीं मिलता है, कि वह पत्नी की ज्वेलरी को गिरवी रख सके। अदालत ने विश्वासघात का दोषी मानते हुए पति को राहत देने से इनकार कर दिया है। पत्नी का आरोप था, उसने अपने जेवर पति को लाकर में रखने के लिए दिए थे। लेकिन पति ने पत्नी के जेवर एक निजी कंपनी में गिरवी रख दिए। पत्नी से ना तो सहमति ली ना ही इसकी जानकारी दी। पति ने जेवर गिरवी रखकर जो राशि हासिल की थी। उसका उपयोग अपने निजी कार्यों में किया। हाईकोर्ट ने पति को विश्वासघात करने का आरोपी माना है ।

वायु प्रदूषण से हर साल हो रहीं कोरोना से भी ज्यादा मौतें, लोग हैं अंजान

-एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने दी चेतावनी

नई दिल्ली। एम्स दिल्ली के पूर्व डायरेक्टर डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने चेतावनी दी है। यह चेतावनी उन्होंने प्रदूषण को लेकर दी है। ये कितना खतरनाक है, इसको लेकर गुलेरिया ने कहा है कि कोरोना महामारी की वजह से जितनी मौतें हुईं, उससे कहीं ज्यादा हर साल सिर्फ प्रदूषण से हो रही हैं। उन्होंने कहा कि हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट में 2021 में कहा गया है कि दुनिया में करीब 80 लाख लोगों की वायु प्रदूषण से मौत हुई है। यह कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों की संख्या से कहीं ज्यादा है। हम वायु प्रदूषण के बारे में चिंतित नहीं हैं। वायु प्रदूषाण कितना खतरनाक है, इसको लेकर उन्होंने कहा कि भारत के हालिया डेटा से पता चलता है कि पीएम 2.5 में केवल 10 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की वृद्धि मौत की दर को काफी ज्यादा बढ़ा देती है। यह सांस और हृदय संबंधी समस्याओं के कारण होता है। वायु प्रदूषण फेफड़ों में सूजन पैदा करता है। सांस संबंधी समस्या होती है। मरीज कई बार आईसीयू या वेंटिलेटर पर पहुंच जाता है और इससे मृत्यु दर बढ़ जाती है।

गुलेरिया ने कहा कि जो लोग हृदय रोगी है...यह प्रदूषण हृदय की वाहिकाओं में सूजन का कारण बनता है और इससे दिल का दौरा पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। सिर्फ हृदय और फेफड़ों की ही बात नहीं है, वायु प्रदूषण शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है क्योंकि वायु प्रदूषकों के ये सूक्ष्म कण 2.5 माइक्रोन से कम होते हैं। जब ये रसायन फेफड़ों से शरीर में जाते हैं, तो कई अंगों में जा सकते हैं, जिससे दीर्घकालिक प्रभाव वाली बीमारियां हो सकती हैं, जैसे डिमेंशिया, तंत्रिका संबंधी समस्याएं, मधुमेह, मेटाबोलिक सिंड्रोम, ये सभी वायु प्रदूषण से जुड़े हुए हैं। गुलेरिया की ये चेतावनी ऐसे समय दी है जब मानसून की विदाई के साथ ही देश में प्रदूषण वाला मौसम दस्तक दे चुका है। दिल्ली में तो एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 400 पार जा चुका है। इसका सीधा मतलब है कि हवा इतनी जहरीली हो गई है कि उसमें सांस लेना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही खतरनाक है।

चीन के साथ समझौते को लेकर देश को विश्वास में ले सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर चीन के साथ एक समझौता होने की घोषणा का हवाला देते हुए बुधवार को कहा कि इस विषय पर सरकार को देश को विश्वास में लेना चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के दृष्टिकोण के कारण इस मामले के समाधान में अवरोध पैदा हुआ। भारत ने सोमवार को घोषणा की थी कि भारतीय और चीनी वार्ताकार पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त के लिए एक समझौते पर सहमत हुए हैं।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''मोदी सरकार की इस घोषणा को लेकर कई सवाल बने हुए हैं कि एलएसी पर गश्ती की व्यवस्था को लेकर चीन के साथ समझौता हो गया है। विदेश सचिव ने कहा है कि इस समझौते से सैनिकों की वापसी हो रही है और इन क्षेत्रों में 2020 में पैदा हुए गतिरोध का अंततः समाधान हो रहा है।'' उन्होंने कहा, ''हम आशा करते हैं कि दशकों में भारत की विदेश नीति को लगे इस झटके का सम्मानजनक ढंग से हल निकाला जा रहा है। हम उम्मीद करते हैं कि सैनिकों की वापसी से पहले वही स्थिति बहाल होगी, जैसी मार्च 2020 में थी।''

रमेश ने दावा किया, ''यह दुखद गाथा पूरी तरह से चीन के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नासमझी और भोलेपन का नतीजा है। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में मोदी जी की चीन ने तीन बार भव्य मेजबानी की थी। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने चीन की पांच आधिकारिक यात्राएं कीं और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ 18 बैठकें कीं। इसमें उनके 64वें जन्मदिन पर साबरमती के तट पर बेहद

दोस्ताने अंदाज में झूला झूलना भी शामिल है।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत का पक्ष 19 जून, 2020 को तब सबसे अधिक कमजोर हुआ जब प्रधानमंत्री ने चीन को 'क्लीन चिट' देते हुए कहा था, ''ना कोई हमारी सीमा में घुस आया है, न ही कोई घुसा हुआ है।''

रमेश ने दावा किया, ''यह बयान गलवान में हुई झड़प के चार दिन बाद ही दिया गया था, जिसमें हमारे 20 बहादुर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। उनका यह बयान न सिर्फ हमारे शहीद सैनिकों का घोर अपमान था बल्कि इसने चीन की आक्रामकता को भी वैध ठहरा दिया। इसके कारण ही एलएसी पर गतिरोध के समय समाधान में बाधा उत्पन्न हुई।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे संकट पर मोदी सरकार के दृष्टिकोण को 'डीडीएलजे' यानी '' डिनाय' (इंकार करो), 'डिस्ट्रैक्ट' (ध्यान भटकाओ), 'लाय' (झूठ बोलो) और 'जस्टीफाई' (न्यायोचित ठहराओ) के रूप में वर्णित किया जा सकता है।

रमेश ने यह भी कहा कि संसद को सीमा की चुनौतियों से निपटने के लिए सामूहिक संकल्प को प्रतिबिंबित करने के लिए चर्चा करने का कोई अवसर नहीं दिया गया, जबकि पिछली सरकारों में इस तरह के गंभीर मुद्दों पर चर्चा और बहस की परंपरा रही है। उन्होंने कहा, ''अब जब चीन के साथ यह समझौता हुआ है तब सरकार को भारत के लोगों को विश्वास में लेना चाहिए और महत्वपूर्ण सवालों के जवाब देने चाहिए।''

रमेश ने सवाल किया, ''क्या भारतीय सैनिक डेपसांग में हमारी दावे वाली लाइन से लेकर 'बॉटलनेक जंक्शन' से आगे के पांच गश्ती बिंदुओं तक गश्त करने में सक्षम होंगे जैसा कि वे पहले करने में सक्षम थे? क्या हमारे सैनिक डेमचोक में उन तीन गश्ती बिंदु तक जा पाएंगे जो चार साल से अधिक समय से हमारे दायरे से बाहर हैं?''उन्होंने यह भी पूछा, ''क्या हमारे सैनिक पैंगोंग त्सो में फिंगर तीन तक ही सीमित रहेंगे जबकि पहले वे फिंगर आठ तक जा सकते थे? क्या हमारे गश्ती दल को गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में उन तीन गश्ती बिंदु तक जाने की छूट है, जहां वे पहले जा सकते थे?''कांग्रेस नेता ने कहा, ''क्या भारतीय चरवाहों को एक बार फिर चुशुल में हेलमेट टॉप, मुक्पा रे, रेजांग ला, रिनचेन ला, टेबल टॉप और गुरुंग हिल में पारंपरिक चरागाहों तक जाने का अधिकार दिया जाएगा? क्या वे 'बफर जोन' जिन्हें हमारी सरकार ने चीनियों को सौंप दिए थे, जिसमें रेजांग ला में युद्ध नायक और मरणोपरांत परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह का स्मारक स्थल भी शामिल था, अब अतीत की बात हो गए हैं?''

रक्षा मंत्री अगले माह जाएंगे रूस, पहले स्टेल्थ फ्रिगेट तुशील को करेंगे कमीशन

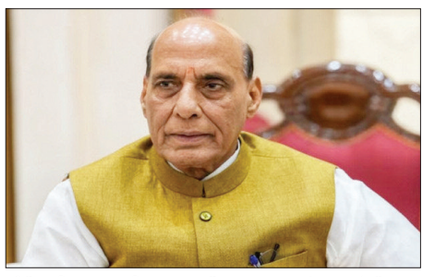

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस साल के अंत में दिसंबर महीने में रूस की यात्रा करेंगे। इसका उद्देश्य उनके द्वारा रूस के केलिंग्राद स्थित यानतर शिपयार्ड में भारतीय नौसेना के लिए बनाए जा रहे दो में से पहले स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस तुशील को बल के जंगी बेड़े में कमीशन कराना है। दोनों देशों के बीच ऐसे कुल चार युद्धपोतों को लेकर करीब 2.5 बिलियन डॉलर का एक अंतर सरकारी समझौता हुआ था। इनमें से दो रूस में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में बनाए जा रहे हैं। मालूम हो कि रक्षा मंत्री की यह रूस यात्रा पीएम मोदी की रूस यात्रा के बाद होगी। सरकारी सूत्रों ने बताया कि पहले रक्षा मंत्री की रूस यात्रा नवंबर महीने में होनी थी। लेकिन मास्को के अनुरोध पर यात्रा कार्यक्रम को पुनर्निर्धारित किया गया है। अपनी रूस यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री दोनों देशों के रक्षा संबंधों के मामले पर भी चर्चा करेंगे।

देरी से हो रही डिलीवरी

रूस के साथ 2018 में हुए समझौते के तहत दोनों युद्धपोतों को रूस द्वारा पहले भारत को वर्ष-2022 के अंत तक सौंपना था। लेकिन इसमें कोरोना महामारी और बाद में यूक्रेन युद्ध की वजह से पेमेंट सिस्टम की वजह से देरी हुई है। इस श्रेणी के दूसरे पोत तमाल की रूस द्वारा भारत को अगले साल की शुरुआत में डिलीवरी कर दी जाएगी। युद्ध के चलते एस-400 सिस्टम की आपूर्ति में भी देरी हो रही है। चार में से दो युद्धपोत रूस में और दो भारत के गोवा शिपयार्ड में मास्को के तकनीकी सहयोग से बनाए जा रहे हैं।

प्रांशी चौधरी का दूसरा जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

रिश्तेदारों और क्षेत्रीय लोगों ने दीं शुभकामनाएं

अहम सत्ता

प्रांशी चौधरी, पुत्री नवीन चौधरी, का दूसरा जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस खुशी के मौके पर प्रांशी के परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्रीय लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज की। कार्यक्रम में प्रांशी ने अपने परिवार के साथ केक काटा, और चारों ओर खुशियों का माहौल बना रहा। सभी ने प्रांशी को आशीर्वाद दिया और उसके उज्ज्वल भविष्य व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस अवसर पर बच्चों और परिवार वालों के लिए मनोरंजन के कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रिश्तेदारों और क्षेत्रीय लोगों ने प्रांशी को ढेरों उपहार और शुभकामनाएं दीं।

सुप्रीम कोर्ट आज तय करेगा- चुनाव में किसकी होगी घड़ी

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी एनसीपी अब दो गुटों में बंटी है। एक का नेतृत्व शरद पवार कर रहे हैं और दूसरे का उनके भतीजे अजीत पवार। दोनों नेताओं के बीच विवाद के चलते चुनाव आयोग ने आयोग ने एनसीपी का 'घड़ी' चुनाव चिह्न भी अजित पवार नीत गुट को आवंटित कर दिया था। 19 मार्च को शीर्ष अदालत ने शरद पवार गुट को अपने नाम के रूप में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी और उसे चुनाव चिह्न 'तुरहा बजाता व्यक्ति' आवंटित किया था। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने शरद पवार गुट की उस याचिका पर एक आदेश पारित किया था, जिसमें अजित पवार गुट को चुनाव में 'घड़ी' चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने का अनुरोध किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि अजित पवार गुट राजनीतिक लाभ के लिए शरद पवार के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। अब एक बार फिर यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। याचिका में कहा गया है कि दोनों दलों को घड़ी चुनाव चिन्ह आवंटित नहीं किया जाना

चाहिए। इस सुनवाई कर 24 अक्टूबर को होगी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वह शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी की उस याचिका पर 24 अक्टूबर को सुनवाई करेगी, जिसमें महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 'घड़ी' चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने पर आपत्ति जताई गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष इस मामले की तत्काल सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया। मंगलवार को शरद पवार गुट की ओर से पेश वकील ने पीठ को सूचित किया कि मामला 22 अक्तूबर को ही सूचीबद्ध किया जाना था, लेकिन वाद-सूची में इसका जिक्र नहीं है। इसके बाद पीठ ने इसे 24 अक्तूबर को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

पर्चा दाखिल कर चुके

अजित पवार गुट की पैरवी कर रहे वकील ने कहा कि पार्टी के कुछ उम्मीदवार विधानसभा चुनाव के लिए पर्चा दाखिल कर चुके हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिद्वंद्वी गुट ने 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर कब्जा करने के लिए यह याचिका दायर की है। पीठ ने कहा कि वह इस मामले पर 24 अक्तूबर को सुनवाई करेगी। पीठ ने अजित गुट से तब तक जवाब देने को कहा है। दरअसल, शरद पवार ने निर्वाचन आयोग के 6 फरवरी के उस आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत का रुख किया है, जिसके तहत अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली एनसीपी के रूप में मान्यता दी गई थी।

सपा प्रमुख अखिलेश के जन्मदिन पर लगे पोस्ट से यूपी की राजनीति में हलचल

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव का 23 अक्टूबर को अपना जन्म दिन मना रहे हैं। इस अवसरस पर लगे लखनऊ स्थित सपा कार्यालय के बाहर एक पोस्टर से राजनीति में हलचल मच गई है। यह पोस्टर संत कबीर नगर के सपा नेता जयराम पांडे द्वारा लगाया गया है, जिसमें अखिलेश यादव को 2027 में सत्ताईस का सत्ताधीश बताया गया है। पोस्टर में लिखा है-2024 में बरसा जनता का आशीष, दीवारों पर लिखा है, कौन होगा सत्ताईस का सत्ताधीश। पोस्टर में अखिलेश यादव को संस्कृत में शुभकामनाएं दी गई है लिखा है-तुम 100 साल जियो, तुम्हारा जीवन उद्देश्यपूर्ण और खुशियों से भरा रहे। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बना गया है। यह पहली बार नहीं है जब सपा आफिस के बाहर लगे पोस्टर सुर्खियों में आए हैं। इससे पहले भी अखिलेश को देश का भावी पीएम और उनकी पत्नी डिंपल यादव को यूपी का मुख्यमंत्री बताने वाले पोस्टर लगाए जा चुके हैं। जयराम पांडे मेहंदावल विधानसभा सीट से सपा की टिकट के दावेदार हैं और उन्होंने यह पोस्टर अखिलेश यादव के समर्थन में लगवाया है, जो आगामी चुनावों में सपा की आकांक्षाओं को दर्शाता है।

मुरादनगर घाट पर फिर अतिक्रमण, मुकेश गोस्वामी के परिवारजनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

अहम सत्ता
वाई के राजपूत

मुरादनगर, गाजियाबादः मुरादनगर घाट पर एक बार फिर अतिक्रमण का मामला सामने आया है। सिंचाई विभाग और प्रशासन की संयुक्त टीम ने मई 2024 में मुरादनगर घाट को मुकेश गिरि उर्फ मुकेश गोस्वामी और उनके परिवारजनों से खाली कराया था, लेकिन 4 अक्टूबर 2024 को फिर से उनके परिवारजनों ने घाट पर कब्जा करना शुरू कर दिया। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भय और आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सिंचाई विभाग के सहायक

अभियंता, पंचम मेरठ खण्ड, गंगा नहर, मेरठ ने इस मामले में थाना मुरादनगर के प्रभारी को पत्र भेजकर अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया है। पत्रांक 251/सहा भपंचम/अतिक्रमण, दिनांक 7 अक्टूबर 2024 के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि घाट पर कब्जा करने से स्थानीय लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं और स्थिति गंभीर हो सकती है। इस मामले में सहायक अभियंता ने मुरादनगर थाना प्रभारी से त्वरित कार्रवाई की मांग की है ताकि भविष्य में किसी अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। पत्र की

प्रतिलिपि अधिशासी अभियंता, मेरठ खण्ड गंगा नहर, मेरठ को भी अग्रिम कार्यवाही के लिए भेजी गई है। इस घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है, और हलचल में शामिल लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

काले हिरण को मारने के दोषी ठहराए गए सलमान बार बार कह रहे हैं मैंने नहीं मारा

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सलमान खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वे बार बार कह रहे हैं कि मैंने हिरण को नहीं मारा। जबकि इस मामले में सलमान खान को गिरफ्तार किया गया, लेकिन उन्हें जल्दी ही जमानत मिल गई। सुनवाई के दौरान सलमान को दोषी ठहराया गया, जिसके बाद उन्होंने फिर से जमानत हासिल की। इस मामले के बाद से लॉरेंस बिश्नोई गैंग सलमान खान के लिए एक गंभीर खतरा बन गया है। अभिनेता को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिसके चलते उनकी सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। खासकर बाबा सिद्दिकी की हत्या के बाद सलमान की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

वायरल वीडियो के बाद, नेटिजन्स ने सलमान खान के काले हिरण मामले में शामिल होने की सच्चाई पर चर्चा शुरू कर दी है। कई फैंस अभिनेता का बचाव करते हुए उन्हें निर्दोष बताते हैं और इस मामले की पुनर्विचार की मांग कर रहे हैं। सलमान खान का यह मामला 26 सालों से चल रहा है, और अब तक इसे लेकर कोई अंतिम निर्णय नहीं आया है। इस लंबी कानूनी लड़ाई ने न केवल सलमान के जीवन को प्रभावित किया है, बल्कि उनके करियर पर भी असर डाला है। हालांकि, सलमान खान का यह कहना कि उन्होंने काले हिरण को नहीं मारा, उनके फैंस के लिए उम्मीद की किरण बना हुआ है। उनके समर्थक मानते हैं कि सच्चाई अंततः सामने आएगी, और अभिनेता को न्याय मिलेगा। यह वीडियो साल 2008 का है और हाल ही में रेडिट पर साझा किया गया है। इस क्लिप में सलमान स्पष्ट रूप से कहते हैं, यह एक लंबी कहानी है और मैंने काले हिरण को नहीं मारा। सलमान खान के पिता, सलीम खान, ने भी हाल ही में इस मामले पर अपनी राय दी थी। उन्होंने कहा, वह एक कॉकरोच नहीं मार सकता, तो काला हिरण कैसे मार सकता है? उनका यह बयान इस बात पर जोर देता है कि अगर सलमान ने कुछ गलत नहीं किया है, तो माफी मांगने का कोई कारण नहीं है।

जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर-दक्षिण भारत में अपना-अपना राग

-उत्तर भारतीय कर रहे कानून की मांग तो दक्षिणी राज्यों के मुख्यमंत्री जनसंख्या बढ़ाने पर दे रहे जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर उत्तर-दक्षिण भारत में अलग-अलग राग अलाप रहे हैं। एक ओर जहां उत्तर भारतीय जनसंख्या नियंत्रण कानून लाये जाने की मांग कर रहे हैं तो दूसरी ओर दक्षिण भारत के दो राज्यों के मुख्यमंत्री अपनी जनता को ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने राज्य की बुजुर्ग होती आबादी को देखते हुए पिछले हफ्ते कहा था कि लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए कानून लाने की योजना भी बना रही है। इसके बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक पुराने आशीर्वाद का जिक्र करते हुए लोगों को 16 बच्चे पैदा करने की सलाह और शुभकामना दे डाली। दरअसल दोनों मुख्यमंत्री यह सलाह इसलिए दे रहे हैं क्योंकि जल्द ही देश में संसदीय सीटों का नये सिरे से परिसीमन होना है। इस परिसीमन के मुताबिक दस लाख लोगों की आबादी पर एक सांसद होगा।

राष्ट्रीय राजनीति उत्तर भारत पर केंद्रित होने का सता रहा डर

दक्षिणी राज्यों के नेताओं को परिसीमन के बाद राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह से उत्तर भारत पर केन्द्रित होने का डर सता रहा है। इसका कारण है कि दक्षिणी राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के मामले में तो बेहतरीन प्रदर्शन कर दिया लेकिन अब इसकी वजह से वहां प्रजनन दर कम हो गयी है जिससे उन्हें डर है कि यदि आबादी के लिहाज से संसदीय सीटों का निर्धारण हुआ तो देश की राष्ट्रीय राजनीति पूरी तरह उत्तर भारत केंद्रित हो जायेगी। दक्षिणी राज्यों की चिंता का बड़ा कारण जल्द ही होने वाला लोकसभा सीटों का परिसीमन भी है। यह कार्य जनगणना के तुरंत बाद होगा। हम आपको बता दें कि देश में वर्तमान में निर्वाचन क्षेत्र की सीमाएँ जनसंख्या के अनुसार तय की जाती हैं। यदि जन्म दर स्थिर रहती है तो आंध्र प्रदेश में संसद सीटों की संख्या 25 से घटकर 20, कर्नाटक में 28 से 26, केरल में 20 से 14, तमिलनाडु में 39 से 30 और तेलंगाना में 17 से 15 तक हो जाने की उम्मीद है। वहीं दूसरी ओर, उत्तर के राज्यों की जनसंख्या अधिक होने से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे उन्हें संसद में बड़ी आवाज मिलेगी। इसके अलावा यदि संसद की सीटें बढ़ाने का फैसला होता है तो भी उत्तरी राज्यों को ही ज्यादा फायदा होगा क्योंकि दक्षिण में जनसंख्या अनुपात के हिसाब से कम सीटें आएंगी।

दो से ज्यादा बच्चे वाला व्यक्ति ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पायेगा

जहां तक मुख्यमंत्रियों के बयान की बात है तो आपको बता दें कि चंद्रबाबू नायडू ने तो यहां तक कह दिया है कि दो से ज्यादा बच्चे वाला व्यक्ति ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ पायेगा। बताया जा रहा है कि पड़ोसी राज्य तेलंगाना में भी ऐसा कानून लाने की मांग हो रही है ताकि लोग ज्यादा बच्चे पैदा करें।

दक्षिण भारत में बुजुर्ग आबादी बढ़ेगी

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पॉपुलेशन साइंसेज (आईआईपीएस) द्वारा तैयार इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और तेलंगाना में बुजुर्गों की आबादी अधिक है। रिपोर्ट कहती है कि 2021 और 2036 के बीच इन राज्यों में बुजुर्गों की दर में बहुत अधिक तेजी से वृद्धि होगी। माना जा रहा है कि केरल की जनसंख्या में बुजुर्गों की हिस्सेदारी 2021 की 16.5 फीसदी से बढ़कर 2036 में 22.8 फीसदी हो जाएगी। तमिलनाडु में 13.7 फीसदी से बढ़कर 2036 में 20.8 फीसदी हो जाएगी, आंध्र प्रदेश में 2021 के 12.3 फीसदी से बढ़कर 2036 में 19 फीसदी हो जाएगी, कर्नाटक में बुजुर्गों की आबादी

11.5 फीसदी से बढ़कर 2036 में 17.2 फीसदी हो जाएगी और तेलंगाना में 2021 के 11 फीसदी से बढ़कर 2036 में 17.1 फीसदी हो जाएगी। 15 साल की इस अवधि में जनसंख्या में बुजुर्गों का अनुपात दक्षिण में 6-7 फीसदी बढ़ जाएगा जबकि उत्तर में यह लगभग 3-4 फीसदी होगा।

06 साप्ताहिक अहम सत्ता आपकी आवाज... डासना, मसूरी, मोदीनगर, मुरादनगर, खोड़ा, साहिबाबाद, गाजियाबाद
गाजियाबाद, शुक्रवार 25 से 31 अक्टूबर 2024

गुलफाम सिद्दीकी एडवोकेट को एआईएमआईएम का महानगर उपाध्यक्ष गाजियाबाद नियुक्त किया गया

अहम सत्ता

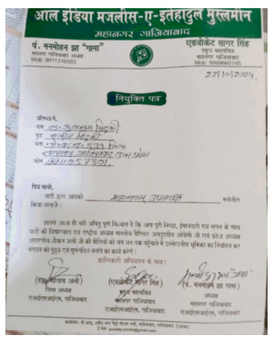

आल इंडिया मजलीस-ए-इत्तेहादुल मुस्लमीन
महानगर गाजियाबाद
नियुक्ति पत्र

गाजियाबाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष पं. मनमोहन झा 'गामा' और प्रमुख महासचिव एडवोकेट सागर सिंह की ओर से एडवोकेट गुलफाम सिद्दीकी को पार्टी का महानगर उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति एक समारोह के दौरान पार्टी के जिला अध्यक्ष डॉ. मेहताब अली की उपस्थिति में की गई। गुलफाम सिद्दीकी पुत्र सलीम सिद्दीकी, प्रेम्बर-539, जिला न्यायालय गाजियाबाद निवासी, को पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने और संगठन को सुदृढ़ बनाने की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी और प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली की नीतियों का पालन करते हुए, गुलफाम से अपेक्षा की जा रही है कि वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ संगठन का कार्य करेंगे। पार्टी नेतृत्व को विश्वास है कि गुलफाम सिद्दीकी अपने अनुभव और कानूनी विशेषज्ञता के साथ संगठन को एक नई ऊंचाई पर ले जाएंगे। इस नियुक्ति को लेकर पार्टी कार्यकताओं और समर्थकों में भी उत्साह देखा जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन पार्टी कार्यालय, शहीद नगर मेट्रो स्टेशन गली, साहिबाबाद में किया गया, जहाँ विभिन्न नेताओं ने गुलफाम सिद्दीकी को उनके नए पद के लिए बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

मिठाई के डिब्बे सहित तौल करना नियमों का उल्लंघन एवं दण्डनीय अपराध: हर्षवर्धन सिंह

मिठाई के डिब्बे सहित वजन नहीं किया जाता है" उक्त सूचना को अपने दुकान/परिसर में अनिवार्य रूप से चस्पा करें

अहम सत्ता

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद में संचालित मिठाई विक्रेताओं /दुकानदारों द्वारा मिठाई के डिब्बों सहित मिठाई का तौल किया जा रहा है, जो कि नियमों के विरूद्ध है। हर्षवर्धन सिंह वरिष्ठ निरीक्षक, विधिक माप विज्ञान गाजियाबाद द्वारा जनपद गाजियाबाद के सभी मिठाई विक्रेताओं एवं दुकानदारों को सूचित किया जाता है कि उपभोक्ता हित में मिठाई के साथ डिब्बे का तौल करना विधिक माप विज्ञान अधिनियम 2009 की धारा-12 का स्पष्ट उल्लंघन एवं धारा-30 के तहत दण्डनीय अपराध है। अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि मिठाई विक्रय के समय मिठाई के साथ डिब्बे का वजन न करें। इसके साथ ही उक्त सूचना को अपने दुकान/परिसर में चस्पा करना सुनिश्चित करें, जिससे की उपभोक्ता जागरूक हो सके। हर्षवर्धन सिंह वरिष्ठ निरीक्षक, विधिक माप विज्ञान गाजियाबाद ने अपना मोबाइल नंबर 8189094012 जारी करते हुए कहा कि यदि किसी भी उपभोक्ता को कोई भी दुकानदार मिठाई समेत डब्बे का वजन करता है तो कृपया इस नंबर पर उन्हें अवगत करायें, उक्त दुकानदार के खिलाफ नियमों का उल्लंघन करने पर नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नॉर्दर्न इंडिया टैक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (NITRA) ने स्वर्ण जयंती समारोह में आयोजित किया राष्ट्रीय स्तरीय तकनीकी सम्मेलन

अहम सत्ता

गाजियाबाद स्थित नॉर्दर्न इंडिया टैक्सटाइल रिसर्च एसोसिएशन (NITRA) ने अपनी स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर एक विशेष दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय तकनीकी सम्मेलन का आयोजन किया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के कपड़ा मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री गिरिराज सिंह द्वारा किया गया।

(तकनीकी सम्मेलन की विशेषताएं)

यह जॉइंट टेक्नोलॉजी कॉन्फ्रेंस भारत के अग्रणी वस्त्र अनुसंधान संस्थानों–अटीरा, बिटरा, सीटरा और NITRA–का वार्षिक कार्यक्रम है। इस सम्मेलन में वस्त्र एवं परिधान उद्योग के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जहां वस्त्र अनुसंधान संस्थानों द्वारा पिछले वर्ष में वस्त्र क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (R&D) के आधार पर किए गए तकनीकी विकास के कार्यों को प्रस्तुत किया गया।

इस वर्ष, NITRA अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में इस कार्यक्रम का आयोजन गाजियाबाद के अपने प्रांगण में कर रहा है। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में कपड़ा मंत्री ने वस्त्र उत्पादन एवं तकनीक संबंधी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया, जिसमें NITRA के नॉन-वूवेन प्लांट और फाइबर स्पिनिंग प्लांट का उद्घाटन शामिल था।

(युवा वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणा)

कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने अपने संबोधन में युवा पीढ़ी को प्रेरित करते हुए कहा कि आज का युवा केवल IAS या IPS बनने का सपना नहीं देखे, बल्कि उन्हें वैज्ञानिक बनने का भी प्रयास करना चाहिए। उन्होंने वस्त्रों के निर्यात को बढ़ाने पर जोर देते हुए कहा कि इस दिशा में कार्य करना आवश्यक है।

(सम्मान समारोह)

इस अवसर पर, मंत्री ने NITRA के 25 कर्मियों को सम्मानित किया, जिन्होंने अपनी 25 वर्ष की कार्य अवधि पूरी की। इस समारोह में NITRA के चेयरमैन विदित जैन, डिप्टी चेयरमैन संदीप होरा, अटीरा, विटरा और सीटरा के निदेशकों–प्रोग्रेस शाह, टी वी श्री कुमार, प्रकाश वासुदेवन–सहित अन्य उच्च अधिकारी भी उपस्थित रहे।

(शोध पत्रों की प्रस्तुति)

इस दो दिवसीय सम्मेलन में पारंपरिक एवं तकनीकी वस्त्र तकनीक पर आठ वस्त्र अनुसंधान संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा 26 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। इस सम्मेलन में लगभग 200 प्रतिनिधियों के समक्ष ये शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे, जिससे वस्त्र उद्योग में नई तकनीकों और अनुसंधान के अवसरों पर चर्चा की जा सकेगी। NITRA का यह सम्मेलन वस्त्र उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगा, जो न केवल तकनीकी विकास को बढ़ावा देगा बल्कि उद्योग में नवाचार के लिए भी प्रेरणा देगा।

आगामी त्योहारों की तैयारी में पुलिस ने डासना में फुट पेट्रोलिंग की

अहम सत्ता

गाजियाबाद आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए गाजियाबाद के थाना वेव सिटी क्षेत्र अंतर्गत कस्बा डासना में पुलिस ने फुट पेट्रोलिंग अभियान चलाया। इस दौरान काजीपुरा अंडरपास पर भी शांति भंग की रोकथाम के लिए चेकिंग की गई। थाना प्रभारी अंकित चौहान के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा। थाना प्रभारी अंकित चौहान ने बताया कि पुलिस का यह अभियान क्षेत्र में शांति और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष रूप से चलाया जा रहा है। फुट पेट्रोलिंग के माध्यम से पुलिस स्थानीय निवासियों के बीच सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, ₹त्योहारों के दौरान सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए हमारी टीम सक्रिय रूप से काम कर रही है। पुलिस ने इस अवसर पर स्थानीय नागरिकों से संवाद किया और उन्हें सुरक्षा संबंधी जागरूकता प्रदान की। साथ ही, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए चेकिंग की गई, जिससे किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधियों को रोका जा सके। अंकित चौहान ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस का यह अभियान त्योहारों के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए निरंतर जारी रहेगा। इस प्रकार की पहल से न केवल क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ेगी, बल्कि नागरिकों में पुलिस के प्रति विश्वास भी मजबूत होगा। पुलिस का उद्देश्य आगामी त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखना है।

बीजेपी ने शहर विधानसभा उपचुनाव के लिए संजीव शर्मा को दिया टिकट

अहम सत्ता

गाजियाबाद, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने गाजियाबाद शहर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के लिए अपने प्रत्याशी के रूप में संजीव शर्मा के नाम की घोषणा की है। संजीव शर्मा वर्तमान में गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं और उन्होंने 2019 से इस पद पर अपनी जिम्मेदारियों को निभाया है। यह उपचुनाव पूर्व सांसद अतुल गर्ग के सांसद बनने के बाद खाली हुई शहर विधानसभा सीट के लिए हो रहा है। बीजेपी द्वारा संजीव शर्मा के नाम की घोषणा पार्टी की रणनीतिक योजना को दशार्ती है, जिसमें स्थानीय नेतृत्व को प्राथमिकता दी गई है। संजीव शर्मा के नेतृत्व में गाजियाबाद बीजेपी ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। उनके पास पार्टी की नीतियों और योजनाओं को कार्यान्वित करने का व्यापक अनुभव है। उनकी उम्मीदवारी पार्टी कार्यकताओं में सकारात्मक प्रतिक्रिया जगा रही है, और उन्हें स्थानीय मतदाताओं के बीच मजबूत समर्थन मिलने की उम्मीद है। इस घोषणा के बाद, संजीव शर्मा ने कहा, मैं पार्टी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं और वादा करता हूं कि मैं अपने क्षेत्र के विकास के लिए पूरी मेहनत करूंगा। मैं गाजियाबाद की जनता से अपील करता हूं कि वे मुझ पर विश्वास रखें और मुझे उनके सेवा का अवसर दें। गाजियाबाद में बीजेपी की इस नई रणनीति से पार्टी कार्यकताओं में उत्साह है, और यह देखना दिलचस्प होगा कि संजीव शर्मा उपचुनाव में कितनी सफलताएं प्राप्त करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी
केन्द्रीय कार्यालय
6ए, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
फोन: 011-23500000 फैक्स: 011-23500190
दिनांक: 24.10.2024
प्रेस विज्ञप्ति
विधानसभा उप-चुनाव 2024
राजस्थान
Rajasthan

क्र.	विधानसभा का क्र. एवं नाम		उम्मीदवार का नाम
1.	161	चौरासी (अजजा) Chorasi (ST)	श्री करीलाल ननोमा Shri Karilal Nanoma

उत्तर प्रदेश
Uttar Pradesh

क्र.	विधानसभा का क्र. एवं नाम		उम्मीदवार का नाम
1.	29	कुंदरकी Kundarki	श्री रामवीर सिंह ठाकुर Shri Ramvir Singh Thakur
2.	56	गाजियाबाद Ghaziabad	श्री संजीव शर्मा Shri Sanjeev Sharma
3.	71	खैर (अजा) Khair (SC)	श्री सुरेंद्र दिलेर Shri Surendra Diler
4.	110	करहल Karhal	श्री अनुजेश यादव Shri Anujesh Yadav
5.	256	फूलपुर Phulpur	श्री दीपक पटेल Shri Deepak Patel
6.	277	कटेहरी Katehari	श्री धर्मराज निषाद Shri Dharmraj Nishad
7.	397	मझवां Majhawan	श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या Smt. Suchismita Maurya

(अरुण सिंह)

आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के प्रत्याशी सत्यपाल चौधरी ने नामांकन भरा

अहम सत्ता

गाजियाबाद आजाद समाज पार्टी (काशीराम) के प्रत्याशी सत्यपाल चौधरी ने विधानसभा उपचुनाव के लिए आज अपना नामांकन भरा। चंद्रशेखर आजाद के करीबी सहयोगियों में से एक और राष्ट्रीय कोर कमेटी के सदस्य होने के नाते, चौधरी पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण चेहरे के रूप में उभरे हैं। आजाद समाज पार्टी ने तीन महीने पहले ही सत्यपाल चौधरी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया था, जिससे उन्होंने गाजियाबाद विधानसभा में अपने चुनावी अभियान की तैयारी समय से पूरी कर ली है। चौधरी की सर्व समाज में अच्छी पहचान है और वह गाजियाबाद के पुराने नेता हैं, जिसके कारण उन्होंने दूसरी पार्टियों के लिए अपने प्रत्याशी घोषित करने में चुनौतियों का सामना करने की स्थिति बना दी है। सत्यपाल चौधरी अपने पूरे दलबल और समर्थकों के साथ अपने मुख्य चुनाव कार्यालय, अमन एनक्लेव, जीटी रोड, नजदीक होटल बेस्ट व्यू से कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपने प्रस्तावकों के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनय रतन जी ने मुख्य चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया।

इस मौके पर पूरे मेरठ मंडल की आजाद समाज पार्टी (काशीराम) और भीम आर्मी की टीम मौजूद रही। इस दौरान कई प्रमुख नेताओं ने चौधरी का समर्थन किया, जिसमें कपिल आजाद, मनोज जाटव, संजीव जाटव, अर्चना गौतम, डॉ. अमित गुर्जर, शैलजा, सुशील प्रधान, एन.डी. खान, चंद्रशेखर मौर्य और कई अन्य कार्यकर्ता शामिल थे। सत्यपाल चौधरी ने अपनी चुनावी रणनीति को लेकर कहा, ₹हम सभी वर्गों के साथ मिलकर काम करेंगे और गाजियाबाद की जनता की सेवा करेंगे। हमें गर्व है कि आजाद समाज पार्टी ने हमें यह अवसर दिया है। चौधरी की मजबूत सामाजिक स्थिति और उनके पिछले अनुभव ने उन्हें गाजियाबाद की राजनीति में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि वह इस चुनाव में कितनी सफलता हासिल कर पाते हैं।

रेफ्रिजरेशन एवं एयरकंडीशनिंग मरम्मत प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

अहम सत्ता

गाजियाबाद धर्मस्थल मंजूनाथेश्वर एजूकेशन ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा प्रवर्तित रूडसेट संस्थान, कल्लूगढ़ी रोड, डासना में आज 30 दिवसीय रेफ्रिजरेशन एवं एयरकंडीशनिंग मरम्मत प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। समापन समारोह के मुख्य अतिथि बुद्ध राम, अग्रणी जिला प्रबन्धक, अग्रणी जिला कार्यालय, केनरा बैंक, गाजियाबाद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में प्रतिभागियों को स्वरोजगार के लाभों के बारे में बताया और कहा, यदि आप समय पर अच्छी सेवा प्रदान करते हैं, तो आपकी सफलता सुनिश्चित है। उन्होंने यह भी बताया कि रेफ्रिजरेशन कार्य में सेवा की डिमांड बहुत अधिक है, जिससे प्रतिभागियों को अच्छी आय भी प्राप्त हो सकती है। श्री बुद्ध राम ने जिले के उद्योग केंद्र के माध्यम से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के तरीके पर प्रकाश डाला और बताया कि सरकार लोन में सब्सिडी भी प्रदान करती है। मुख्य अतिथि ने प्रतिभागियों से आग्रह किया कि वे समापन के बाद कुछ दिनों के लिए किसी दुकान पर प्रैक्टिस करें, जिससे उन्हें अधिक अनुभव मिल सके और वे बेहतर सेवाएँ प्रदान कर सकें। इस अवसर पर उन्होंने सभी को भारत सरकार के स्किल इंडिया स्कीम के तहत प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। संस्थान की निदेशिका श्रीमती सुमन लता शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 29 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा, ₹संस्थान ने आपको एक सफल उद्यमी बनने के सभी विकल्प और मार्ग बताए हैं। अब यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप इस प्रशिक्षण का लाभ कैसे उठाते हैं। उन्होंने सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन श्री वीरेश कुमार सिंह ने किया और उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान दिए गए महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा की। इसमें समय-प्रबंधन, बैंकिंग, गोल सेटिंग, मार्केटिंग, उद्यमिता के गुण, बिजनेस प्लान एवं सकारात्मक व्यवहार जैसे विषय शामिल थे। इस सफल समापन समारोह ने प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनने और अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

एडीएम एलए विवेक कुमार मिश्र की अध्यक्षता में भूगर्भ जल समिति की बैठक आहुत, प्राप्त 28 में से 20 आवेदन स्वीकृत व 08 अस्वीकृत

अवैध रूप से भूजल दोहन करने वालों पर की जाये नियमानुसार दण्डात्मक कार्यवाही: विवेक कुमार मिश्र

अहम सत्ता

गाजियाबाद। महात्मा गाँधी सभागार कलक्ट्रेट गाजियाबाद में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के निदेर्शानुसार विवेक मिश्र अपर जिलाधिकारी (भू०अ०) महोदय की अध्यक्षता में उ०प्र० भूगर्भ जल (प्रबन्धन और विनियमन) अधिनियम के अन्तर्गत जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद द्वारा घरेलू या कृषि उपयोग के लिये कूप रजिस्टरिकरण / अनापत्ति प्रमाण-पत्र एन०ओ०सी० नवीनीकरण के लिये निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त 28 आवेदनों के निस्तारण हेतु नामित सदस्यों के साथ बैठक आहुत हुई। बैठक में चार अजेण्डा बिन्दुओं उ०प्र० भूगर्भ जल (प्रबन्धन और विनियमन) अधिनियम के अंतर्गत घरेलू या कृषि उपयोग के लिए कूप के रजिष्ट्रीकरण, कूप हेतु अनापत्ति प्रमाण-पत्र के नवीनीकरण, वेधन अभिकरण के रजिष्ट्रीकरण हेतु, वाणिज्यिक अथवा औद्योगिक अथवा अवसंरचनात्मक अथवा सामूहिक उपभोक्ता उपयोग के लिए कूप के अनापत्ति प्रमाण-पत्र हेतु प्राप्त कुल आवेदनों का निस्तारण के सम्बंध में चर्चा की गयी। जिसमें पंजीकरण के 13 आवेदनों में से 11 आवेदन स्वीकृत व 02 आवेदन अस्वीकृत किये गये। अनापत्तिप्रमाण पत्र हेतु 11 आवेदनों में 05 आवेदन स्वीकृत व 06 आवेदन अस्वीकृत किये गये। अनापत्ति नवीनीकरण हेतु 04 आवेदनों में से 04 आवेदन स्वीकृत किये गये। वेधनअभिकरण के शून्य आवेदन थे। इस प्रकार 28 आवेदनों में से 20 आवेदन स्वीकृत व 08 आवेदन अस्वीकृत किये गये। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी भू0अ0 महोदय द्वारा निर्देशित किया कि अवैध रुप से भूजल दोहन करने वाले आर०ओ० प्लांट / कार वाशिंग सेण्टरों को 15 दिन का समय देते हुये नोटिस जारी की जाये, कि वह अपना आर०ओ० प्लांट / कार वाशिंग सेण्टर में अवैध रुप से स्थापित बोरवेल को स्वयं बन्द कराना सुनिश्चित करें, अन्यथा उन पर उ०प्र० भूगर्भ जल अधिनियम 2019 की धारा के अन्तर्गत दण्डनात्मक कार्यवाही की जायेगी। ऐसे सभी अवैध रूप से संचालित आर० ओ० प्लांट/कार व बाईक धुलाई सेन्टर जिनके द्वारा जारी किये गये नोटिस का अनुपालन ना करते हुये शपथ पत्र नही जमा किये गये उनके विरूद्ध बोर सीलिंग की कार्यवाही करते हुये रू0 2,00,000/- का जुमार्ना अधिरोपित किया जाने के निर्देश प्राप्त हुये है। विभिन्न श्रोतों से सार्वजनिक जगहों पर अवैध रूप से बोरिंग किये जाने पर तत्काल रूप से कार्यवाही की अपेक्षा की जाती है जोकि जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद की टास्क फोर्स द्वारा बिना लोकल प्रशासन (नगर निगम, खण्ड विकास अधिकारी, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत) / थानों की सहायता के बिना तत्काल रूप से रुकवाने में असमर्थ होते है। इस क्रम में तत्कालिक प्रभाव से अवैध बोरिंग किये जाने के समय क्षेत्रिय प्रशासन (नगर निगम, खण्ड विकास अधिकारी, नगर पालिका परिषद, (नगर पंचायत) / पुलिस के संज्ञान में शिकायत लाने पर अवैध रूप से बोरिंग रुकवाने हेतु अपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया है कि जिलाधिकारी महोदय द्वारा समस्त उपजिलाधिकारियों को उनके सम्बन्धित क्षेत्र में प्राप्त होने वाली उक्त सभी शिकायतों पर तत्कालीन कायवाही करतें हुये सम्बन्धित थानों से अवैध बोरिंग का कार्य रूकवाने के निर्देश जारी करने हेतु पत्रावली प्रस्तुत करने के निर्देश प्राप्त हुये। सेक्शन 51 (स्पेशल केस) में अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु प्रेषित प्रस्तावो में उप मुख्य परियोजना प्रबन्धक, दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ आर० आर० टी० एस० कारिडोर के लिये वेंटिलेशन स्केप शाफ्ट, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट-4, गाजियाबाद में बोरवेल की खुदाई हेतु प्राप्त प्रस्ताव पर अपर जिलाधिकारी महोदय द्वारा उक्त प्रकरण पर संस्तुति हेतु पत्रावली जिलाधिकारी महोदय को प्रषित करने के निर्देश प्राप्त हुये। बैठक में सृष्टि जायसवाल नोडल अधिकारी जिला भूगर्भ जल प्रबन्धन परिषद गाजियाबाद, राजेन्द्र कुमार सहायक उपायुक्त उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द गाजियाबाद, एन० के० पाण्डेय सहायक अभियन्ता उ०प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, श्री राम दत्त सहायक अभियन्ता जल निगम ग्रामीण, सताकक्षी मिश्रा सहायक जिला कृषि अधिकारी कृषि विभाग, श्री शशांक गुप्ता रेन्ज अधिकारी उ०प्र० वन विभाग, विजय नारायण मौर्या जलकल विभाग, मृदुला सिंह सहायक जिला उद्यान अधिकारी उद्यान विभाग, श्री आकाश वशिष्ठ नामित सदस्य सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।